दैनिक

लद्दाख टुडे

Title Code: LDHIN00001 | वर्ष: 03 अंक: 56 | जम्मू, कश्मीर, लेह, रविवार 08 मार्च 2026 | पृष्ठ: 8 | मूल्य 2 रुपए

संक्षिप्त समाचार

पुलिस की बड़ी कार्रवाई, अखनूर-जम्मू हाईवे पर ट्रक से बरामद हुए 21 मवेशी, चालक फरार

जम्मू। कानाचक्क पुलिस ने जम्मू अखनूर हाईवे पर लगाए गए विशेष नाके के दौरान एक ट्रक से 21 मवेशियों को बरामद किया है। पुलिस को देखकर ट्रक चालक वाहन छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाते हुए मौके से फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर मामला दर्ज कर लिया है और चालक की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्ग पर बावा तालाब के पास विशेष नाका लगाकर वाहन चेकिंग की जा रही थी। शनिवार सुबह करीब एक बजे राजपुरा–मलपुर की ओर से अखनूर–जम्मू मार्ग होते हुए आ रहे ट्रक को नाका पार्टी ने रुकने का संकेत दिया। बताया गया कि पुलिस को देखकर चालक ने ट्रक रोकने के बजाय वाहन की गति तेज कर दी।

इस पर नाका पार्टी ने ट्रक का पीछा किया और कुछ दूरी पर वाहन को रोक लिया। हालांकि चालक अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। पुलिस द्वारा ट्रक की तलाशी लेने पर उसमें 21 मवेशी लदे हुए मिले। सभी पशुओं को रस्सियों से बेरहमी से बांधा गया था और उनके लिए चारे की भी कोई व्यवस्था नहीं थी।

प्राथमिक जांच में सामने आया कि चालक बिना किसी वैध अनुमति के इन पशुओं को जम्मू जिले से दूसरे जिले में

■ शेष पेज 2...

ईरान में फंसे जम्मू-कश्मीर के छात्र, महबूबा मुफ्ती ने पीएम मोदी से की मदद की अपील

जम्मू। पीडीपी की अध्यक्ष और जम्मू–कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अपील की कि जम्मू कश्मीर के उन छात्रों को सुरक्षित वापस लाने के लिए तुरंत कदम उठाए जाएं जो इस समय ईरान में फंसे हुए हैं।

इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में महबूबा मुफ्ती ने कहा कि ईरान में तेजी से बिगड़ते हालात के कारण वहां पढ़ाई कर रहे केंद्र शासित प्रदेश के हजारों छात्र मुश्किल स्थिति में हैं और चिंतित हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री से इस मामले में व्यक्तिगत हस्तक्षेप करने की मांग की ताकि छात्रों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की जा सके।

मुफ्ती ने साथ ही विदेश मंत्रालय और विदेश मंत्री जयशंकर से भी अपील की कि जल्द से जल्द आवश्यक कदम उठाते हुए छात्रों को सुरक्षित भारत लाने के लिए प्रक्रिया शुरू की जाए। उन्होंने कहा कि खामनेई की मौत के बाद कश्मीर में शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन कर रहे महिलाओं सहित कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

■ शेष पेज 2...

----- जम्मू -----
अधिकतम – 14°C
न्यूनतम – 4°C
----- श्रीनगर -----
अधिकतम – 4°C
न्यूनतम – -7°C

एलजी मनोज सिन्हा ने पवित्र शिव खोरी में इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेडेशन और ब्यूटीफिकेशन के काम का उद्घाटन किया

एलजी ने इस ऐतिहासिक काम के लिए जेएसडब्ल्यू ग्रुप का शुक्रिया अदा किया, जिसने सीएसआर के तहत ये काम किए

जम्मू, 07 मार्च। लेफ्टिनेंट गवर्नर श्री मनोज सिन्हा ने शनिवार को रियासी जिले में पवित्र शिव खोरी मंदिर में इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेडेशन और ब्यूटीफिकेशन के काम का उद्घाटन किया। ये काम जेएसडब्लयू ग्रुप ने अपनी कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के तहत पूरे किए।

अपने भाषण में, लेफ्टिनेंट गवर्नर ने इस ऐतिहासिक काम के लिए जेएसडब्लयू ग्रुप के CMD श्री सज्जन जिंदल और उनकी पूरी टीम का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा, "मै इसे इंसानियत की साझी विरासत के लिए एक बड़ी दया का काम मानता हूं।"

लेफ्टिनेंट गवर्नर ने कहा कि जेएसडब्लयू ग्रुप के साथ 2023 के MoU के बाद से, हम इस दिन का इंतजार कर रहे थे और आज, उम्मीद खत्म हो गई है। लेफ्टिनेंट गवर्नर ने कहा, "शिव खोरी का जागरण शुरू हो गया है। हमने न केवल इंफ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड किया है बल्कि आस्था को भी मजबूत किया है। मेरा हमेशा से यह पक्का मानना रहा है कि समाज के हर व्यक्ति को आध्यात्मिकता की रोशनी आसानी से मिलनी चाहिए।"

लेफ्टिनेंट गवर्नर ने ज़ोर देकर कहा कि शिव खोरी का इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड इस बात का ऐलान है कि हमारी पुरानी परंपरा के पवित्र तीर्थस्थलों को फिर से जगाया जा रहा है और उनमें जान डाली जा रही है। उन्होंने कहा कि आज भक्तों की मेहनत रंग लाई है और हमने अपने पूर्वजों के सुनहरे सपने पूरे किए है जो इसके लिए तरस रहे थे। उन्होंने कहा, "आध्यात्मिकता में हमारे पक्के विश्वास ने हर कोशिश को गाइड किया है – बाबा अमरनाथ यात्रा के ऐतिहासिक

■ शेष पेज 2...

रेल यात्रियों के लिए अच्छी खबर, रेलवन ऐप पर अब जम्मू–कश्मीर में भी जोमैटो–स्विग्गी से सीधे ट्रेन में मिलेगा खाना

जम्मू। रेल यात्रियों के सफर को अधिक सुविधाजनक और आरामदायक बनाने की दिशा में रेलवे ने एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। भारतीय रेलवे के आधिकारिक सुपर ऐप रेलवन के माध्यम से अब यात्रियों को टिकट बुकिंग और ट्रेन से जुड़ी अन्य सेवाओं के साथ–साथ सीट पर भोजन मंगाने की सुविधा भी मिल रही है।

रेलवे की ई–कैटरिंग सेवा के तहत यात्री अब इस ऐप के जरिए फूड एग्रीगेटर प्लेटफार्म जोमैटो और स्विग्गी से सीधे अपने पसंदीदा रेस्टोरेंट का खाना ऑर्डर कर सकेंगे। इससे यात्रियों को ट्रेन यात्रा के दौरान कई प्रकार के स्वादिष्ट भोजन और व्यंजनों का आनंद लेने का अवसर मिलेगा।

जम्मू मंडल के अंतर्गत आने वाले प्रमुख रेलवे स्टेशन जैसे जम्मू, श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा और पठानकोट में यात्रा कर रहे यात्री अब अपनी सीट या बर्थ पर बैठे–बैठे रेलवन ऐप के माध्यम से भोजन आर्डर कर सकते है। आर्डर किया गया भोजन सीधे ट्रेन में उनकी सीट तक पहुंचाया जाएगा, जिससे यात्रियों को स्टेशन पर उतरकर भोजन लेने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

एक ही ऐप में कई सुविधाएं

रेलवन ऐप की खासियत यह है कि यात्रियों को अब टिकट बुकिंग, ट्रेन का लाइव स्टेटस देखने या भोजन ऑर्डर करने के लिए अलग–अलग ऐप डाउनलोड करने की जरूरत नहीं होगी। इस एक ही प्लेटफार्म पर रेलवे की कई सेवाएं एकीकृत की गई है। यात्री अपने पीएनआर नंबर के जरिए ऐप में लॉग इन कर जोमैटो या स्विग्गी से मनपसंद भोजन का चयन कर सकते है। इन फूड प्लेटफार्म का सिस्टम ट्रेन के समय को ट्रैक करता है और उसी के अनुसार भोजन की डिलीवरी सुनिश्चित करता है, ताकि भोजन समय पर यात्री तक पहुंच सके।

यात्रियों की सुविधा बढ़ाना लक्ष्य

जम्मू मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक उचित सिंघल ने कहा कि रेलवे का उद्देश्य यात्रियों की यात्रा को अधिक सुखद और बाधारहित बनाना है। उन्होंने कहा कि रेलवन ऐप

■ शेष पेज 2...

जम्मू-कश्मीर नायब तहसीलदार भर्ती परीक्षा 9 महीने से लंबित, परीक्षा तिथि पर सस्पेंस

सरकार ने आवेदन शुल्क में करोड़ों रुपये वसूले

जम्मू। जम्मू–कश्मीर में नायब तहसीलदार भर्ती परीक्षा को लेकर पिछले नौ महीनों से स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई है। प्रदेश में रोजगार के सीमित अवसरों के बीच इस भर्ती का इंतजार कर रहे हजारों युवा असमंजस की स्थिति में है।

आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद अब तक न तो परीक्षा की तिथि घोषित की गई है और न ही भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाने को लेकर कोई ठोस जानकारी दी गई है।

जम्मू–कश्मीर सेवा चयन बोर्ड (जेकेएसएसबी) ने जून 2025 में नायब तहसीलदार के 75 पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए थे। आवेदन प्रक्रिया 16 जून 2025 से शुरू होकर 15 जुलाई 2025 तक चली थी। बड़ी संख्या में युवाओं ने इन पदों के लिए आवेदन कर परीक्षा की तैयारी भी शुरू कर दी थी।

उर्दू भाषा का ज्ञान अनिवार्य

हालांकि भर्ती प्रक्रिया उस समय विवादों में घिर गई जब इन पदों के लिए उर्दू भाषा का ज्ञान अनिवार्य करने का प्रावधान रखा गया। इस शर्त का कई अभ्यर्थियों ने विरोध किया, जिसके बाद सरकार ने भर्ती प्रक्रिया को फिलहाल स्थगित कर दिया। तब से अब तक इस परीक्षा को लेकर कोई नई घोषणा नहीं की गई है।

अभ्यर्थियों का कहना है कि वे लंबे समय से परीक्षा की तैयारी कर रहे है, लेकिन परीक्षा की तिथि को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। कुछ उम्मीदवारों को यह भी चिंता है कि यदि परीक्षा जल्द आयोजित नहीं हुई तो वे अधिकतम आयु सीमा पार कर सकते है, जिससे उनका मौका छिन सकता है।

6.43 करोड़ वसूल चुकी है सरकार

इस भर्ती प्रक्रिया के लिए सरकार बेरोजगार युवाओं से आवेदन शुल्क के रूप में करोड़ों रुपये पहले ही वसूल चुकी है। सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों से 600 रुपये और आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों से 500 रुपये आवेदन शुल्क लिया गया था। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार इस भर्ती के माध्यम से लगभग 6,43,28,400 रुपये की राशि जमा हो चुकी है। हालांकि कुल कितने अभ्यर्थियों ने आवेदन किया, इसकी आधिकारिक जानकारी अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई है।

बेरोजगारों से करोड़ों वसूलना गंभीर विषय

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के राज्य मंत्री सनक श्रीवत्स ने भर्ती प्रक्रिया में हो रही देरी पर सवाल उठाए है। उनका कहना है कि जम्मू–कश्मीर सेवा चयन बोर्ड ने पिछले दो वित्तीय वर्षों में भर्ती आवेदन शुल्क के रूप में लगभग 48.88 करोड़ रुपये एकत्र किए है।

■ शेष पेज 2...

शांति, प्रगति और समृद्धि के नए आयाम स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध: पीएम मोदी

पड़ोसी के साथ प्रगति के लिए मिलकर काम करने को प्रतिबद्ध, पीएम मोदी ने नेपाल में नई सरकार को दी बधाई

नई दिल्ली। नेपाल में चुनाव के बाद बनी नई सरकार के साथ रिश्तों को आगे बढ़ाने के संकेत देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को नेपाल की जनता और नई सरकार को बधाई दी। कहा कि भारत अपने पड़ोसी के साथ शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए मिलकर काम करने को प्रतिबद्ध है।

मोदी के इस बयान को नेपाल में उभरते नए राजनीतिक नेतृत्व के साथ काम करने की भारत की तत्परता के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। वैसे भारतीय विदेश मंत्रालय के अधिकारी चुनाव में प्रचंड बहुमत की तरफ बढ़ चली राष्ट्रीय स्वतंत्रता पार्टी (आरएसपी) के नेता बालेंद्र शाह के पूर्व के भारत विरोधी रुख को लेकर थोड़ा चिंतित है लेकिन यह उम्मीद है कि एक बार सत्ता संभालने के बाद वह प्रैक्टिकल अप्रोच अपनाएंगे।

■ शेष पेज 2...

रूस से तेल खरीद पर कोई और फैसला न करे, भारत के फैसले केवल भारत के: फारूक अब्दुल्ला

जम्मू। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने शनिवार को अमेरिका की ओर से भारत को रूस से तेल खरीदने की अस्थायी छूट पर केंद्र सरकार की आलोचना की और कहा कि भारत के फैसले केवल भारत द्वारा ही होने चाहिए, कोई और इसके लिए निर्णय नहीं ले सकता।

अब्दुल्ला ने कहा हम किसी पर निर्भर नहीं है। यह दुखद है कि हमें निर्भर बनाना क्यों चाहा जा रहा है। यह देश की स्वतंत्रता का प्रश्न है। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश को खुद यह तय करना चाहिए कि उसके लिए क्या सही है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि पहले प्रधानमंत्री मनमोहन

■ शेष पेज 2...

वित्त विभाग का डीडीओ को सख्त निर्देश, ठेकों के भुगतान में वैध टैक्स इनवॉइस और दस्तावेज जरूरी लें

जम्मू। जम्मू–कश्मीर वित्त विभाग ने एक सर्कुलर जारी कर सभी ड्रॉइंग एंड डिस्बर्सिंग ऑफिसर्स (डीडीओ) को निर्देश दिया है कि कार्य ठेकों के भुगतान की प्रक्रिया के दौरान नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए और कार्यों में इस्तेमाल की गई सामग्री की खरीद से संबंधित वैध टैक्स इनवॉइस और दस्तावेज़ अनिवार्य रूप से प्राप्त किए जाएं।

सरकार के अनुसार कई मामलों में यह सामने आया है कि ठेकेदार कार्यों के निष्पादन के दौरान कच्चा माल और अन्य उपभोग्य सामग्री ऐसी प्रक्रिया से खरीद रहे हैं जो बिल ऑफ क्वांटिटीज (बीओक्यू) में निर्धारित दायरे और तकनीकी निर्देशों से मेल नहीं खाती। कुछ मामलों में यह खरीद बिना उचित दस्तावेजों या अनौपचारिक माध्यमों से की गई, जिससे वैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन और सरकारी राजस्व को नुकसान होने की आशंका जताई गई है।

जारी सर्कुलर में कहा गया है कि पारदर्शिता और वित्तीय अनुशासन बनाए रखने के लिए डीडीओ को भुगतान से पहले निम्न बातों का विशेष ध्यान रखना होगा जिसमें ठेकेदारों के बिल प्रोसेस करते समय सामग्री और सेवाओं की वैध टैक्स इनवॉइस और संबंधित दस्तावेज़ अनिवार्य रूप से प्राप्त किए जाएं।

कच्चा माल खरीद में अनियमितताओं की आशंका

यह सुनिश्चित किया जाए कि खरीदी गई सामग्री और सेवाएं स्वीकृत कार्य अनुबंध और बीओक्यू में निर्धारित निर्देशों के अनुरूप हों। जीएसटी नियमों

■ शेष पेज 2...

स्पीकर के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा से शुरू होगा बजट सत्र का दूसरा चरण, हंगामे के पूरे आसार

बजट सत्र का दूसरा चरण कल से शुरू

नई दिल्ली। बजट सत्र का पहला चरण सत्ता पक्ष और विपक्ष की तीखी तकरार की भेंट चढ़ गया और अब दूसरा चरण सोमवार से शुरू हो रहा है। चूंकि, इस सत्र की शुरुआत ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के विरुद्ध विपक्ष द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के साथ होनी है, इसलिए हंगामे के पूरे आसार है।

इसके अलावा ईरान–इजरायल युद्ध, ईरानी सर्वोच्च नेता खामेनेई की मौत पर भारत के संतुलित रुख और रूस से तेल खरीद पर अमेरिकी दावे–दखल जैसे मुद्दों पर विपक्ष की जिस तरह की प्रतिक्रियाएं आ रही है, उससे इशारा मिलता है कि इनके सहारे सरकार को घेरने का प्रयास होगा। वहीं, सरकार भी कमर कसकर तैयार दिख रही है।

सरकार भी कर सकती है पलटवार

एआई इम्पैक्ट समिट में अंतरराष्ट्रीय मेहमानों के सामने कांग्रेस के अर्धनग्न प्रदर्शन के मामले में अन्य विपक्षी सहयोगियों का साथ न मिलने से कांग्रेस अकेले कठघरे में खड़ी है तो इसे देश के अपमान से जोड़कर सरकार भी करारा पलटवार कर सकती है।

इन मुद्दों पर हो सकता है गतिरोध

बजट सत्र के दूसरे चरण में वैश्विक संघर्ष और उसके प्रभाव संसद में गतिरोध का कारण बन सकते है। विपक्षी दल रूसी तेल की खरीद जारी रखने में अमेरिका के दावे को आधार बनाकर संसद में भी इन आरोपों के साथ चर्चा कराना चाहेगा कि भारत अमेरिका के दबाव में है, क्योंकि राहुल गांधी इस मुद्दे को तूल दे भी रहे है।

इसके साथ ही भारतीय समुद्री क्षेत्र में ईरानी युद्धपोत पर हमले की घटना को विपक्ष भारत के लिए सामरिक चुनौती के रूप में पेश कर सकता है। वहीं, खामेनेई की मौत पर भारत सरकार की शुरुआती चुप्पी पर भी कांग्रेस ने खास तौर पर सवाल उठाए है।

उधर, चुनावी मुहाने पर खड़े पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी एसआईआर के विरोध में प्रदर्शन कर रही है। टीएमसी सांसद ने मुख्य चुनाव आयुक्त के विरुद्ध जिस तरह के तीखे बयान दिए है, उससे पूरा अंदेशा है कि इस टीएमसी इसी मुद्दे पर संसद में गतिरोध पैदा करना चाहेगी।

सत्ता पक्ष की क्या है तैयारी?

हालांकि, लोकसभा स्पीकर के

■ शेष पेज 2...

मुंबई में चमके जम्मू के सितारे ने दुनिया को कहा अलविदा, धनेश डोगरा का आकस्मिक हुआ निधन, शोक में कला जगत

जम्मू। जम्मू की धरती से उठकर मुंबई के चमकते परदे तक अपनी पहचान बनाने वाले प्रतिभाशाली अभिनेता धनेश डोगरा का आकस्मिक निधन हो गया। उनके असमय निधन की खबर से जम्मू का रंगमंच, कला जगत और उनके चाहने वालों में गहरा शोक छा गया है। जिस कलाकार ने अपने हुनर से मुंबई में चमकता सितारा बनने का सपना साकार किया, वह अचानक इस दुनिया को अलविदा कह गया।

धनेश डोगरा ने अपने अभिनय सफर की शुरुआत नब्बे के दशक में जम्मू के रंगमंच से की थी। अपनी मेहनत, समर्पण और अद्भुत अभिनय क्षमता के दम पर उन्होंने करीब 80 से अधिक नाटकों में यादगार भूमिकाएं निभाईं। मंच पर उनके जीवंत अभिनय ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। उनके उत्कृष्ट अभिनय के लिए जम्मू–कश्मीर कला, संस्कृति एवं भाषा अकादमी ने उन्हें तीन बार बेस्ट एक्टर अवार्ड से सम्मानित किया।

धनेश ने टीवी और फिल्म इंडस्ट्री में मजबूत पहचान बनाई

रंगमंच से आगे बढ़ते हुए धनेश ने मुंबई की टीवी और फिल्म इंडस्ट्री में भी अपनी मजबूत पहचान बनाई। उन्होंने कई लोकप्रिय टीवी धारावाहिकों जैसे क्राइम पेट्रोल, सूर्यपुत्र कर्ण, ये है मोहब्बतें, लाल इश्क और स्वरागिनी में दमदार भूमिकाएं निभाईं। छोटे पर्दे पर उनकी सशक्त मौजूदगी ने उन्हें दर्शकों के बीच एक भरोसेमंद कलाकार के रूप में स्थापित किया।

धनेश डोगरा ने बालीवुड फिल्मों में भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। वे जान अब्राहम के साथ फिल्म परमाणु, अभिषेक बच्चन के साथ द बिग बुल और फिल्म चुप में भी नजर आए। इसके अलावा उन्होंने कई वेब सीरीज और नामी ब्रांडों के विज्ञापनों में भी काम किया। दिलचस्प बात यह है कि दो दिन पहले ही उनका एक कैडी का विज्ञापन रिलीज हुआ था, जिसे सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा था।

अभिनेता रवि किशन के साथ भी नजर आए डोगरा

वह जल्द ही अभिनेता रवि किशन के साथ एक फिल्म में जज की भूमिका में भी नजर

■ शेष पेज 2...

बिगड़ रही डल की सेहत, खतरे में जल का जीवन

श्रीनगर। एनवायर्नमेंटल पॉलिसी ग्रुप (ईपीजी) ने डल झील के पानी की तेजी से बिगड़ती हालत पर गहरी चिंता जताई है। यह हालत बड़े पैमाने पर साइनोबैक्टीरियल ब्लूम के बाद हुई है जिसने झील के एक बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया है। इससे डल झील हरी दिखाई दे रही है।

ईपीजी ने बयान में बताया कि ब्लूम का कारण मौसमी तापमान में बदलाव या पानी का कम बहाव है। यह ब्लूम लगभग दो हफ्ते पहले शुरू हुआ था। ब्लूम दिखने से कुछ समय पहले लेक कंजर्वेशन एंड मैनेजमेंट अथॉरिटी के ठेकेदार ने मैकेनिकल डीवीडिंग का काम किया गया था। पहले डीवीडिंग तय साइंटिफिक प्रोटोकॉल के साथ की जाती थी जिसमें वनस्पतियों का मूल्यांकन भी शामिल था। इस बार ऐसी कोई प्रक्रिया नहीं अपनाई गई।

इकोलॉजिकल सुरक्षा उपायों के बिना जड़ों वाली वनस्पतियों को मैकेनिकल तरीके से हटाने से झील के किनारे की तलछट में फॉस्फोरस और नाइट्रोजन जैसे पोषक तत्वों की भरमार हो जाती है। ये पोषक तत्व पानी के कॉलम में फिर से फैल जाते है। मीठे पानी के सिस्टम में प्राकृतिक रूप से मौजूद साइनोबैक्टीरिया इन पोषक तत्वों का तेजी से इस्तेमाल करते है जिससे तेजी से बढ़ोतरी होती है।

मौजूदा ब्लूम का पैमाना और एक जैसा होना इस बात का पक्का संकेत देता है कि तलछट में गड़बड़ी से होने वाला पोषक तत्वों का बढ़ना ही इसका संभावित कारण था। यह ब्लूम झील की सतह पर फैले पेंट जैसे गाढ़े हरे मैल के रूप में दिखाई दिया है। साथ ही बदबू और पानी का रंग बहुत ज्यादा हरा हो गया है। ईपीजी का कहना है कि संभावित गलतियों को मानने के बजाय एलसीएमए चुनिंदा वीडियो मैसेज के जरिए स्थिति की गंभीरता को कम दिखाने की कोशिश कर रहा है।

■ शेष पेज 2...

Created by Universal Document Converter

शेष पेज 1 से

एलजी मनोज सिन्हा ने...

अपग्रेड से लेकर, श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के पूरे इलाके को एक जीवंत आध्यात्मिक कॉरिडोर में बदलने के विज़न तक, और शिव खोरी को भारत के भक्ति के महान केंद्रों के मैप पर मजबूती से जगह दिलाने तक।" लेफ्टिनेंट गवर्नर ने दोहराया कि जम्मू कश्मीर को देश का एक जीवंत, सांस लेता हुआ आध्यात्मिक दिल बनाना उनका मुख्य मकसद है। लेफ्टिनेंट गवर्नर ने कहा, "पांच साल की लगातार कोशिशों के बाद, मैं शांति से कह सकता हूं कि वह सपना अब दूर नहीं है। आज मैं पूरे विश्वास के साथ कहता हूं कि सदियों बाद, जम्मू कश्मीर एक असली आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक पुनर्जागरण का अनुभव कर रहा है। यह केंद्र शासित प्रदेश ज्ञान, कला, संगीत और दर्शन के केंद्र के रूप में फिर से उभर रहा है।"

उन्होंने कहा कि तपस्या और धर्म की जिस लौ के लिए यह जमीन कभी दुनिया भर में मशहूर थी – हम उसे पूरे यकीन के साथ फिर से जला रहे हैं। लेफ्टिनेंट गवर्नर ने युवाओं से अंदरूनी और बाहरी जिंदगी में बैलेंस बनाने की अपील की।

उन्होंने आगे कहा, "यह नया ज़माना आपके लिए है। इस जमीन के पवित्र मंदिरों में आइए और खुद को महसूस करने दीजिए कि सदियों की अटूट भक्ति जब आपसे चुपचाप मिलती है तो कैसा लगता है। वह एनर्जी पुरानी नहीं है। वह अब भी बहती है – और उसे आप ही ले सकते हैं।"

लेफ्टिनेंट गवर्नर ने पवित्र श्री शिव खोरी मंदिर आने वाले तीर्थयात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को बढ़ाने के लिए बनाई जा रही आने वाली सुविधाओं की एक सीरीज के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा, "नया हेलीपैड इसी महीने बनकर तैयार हो जाएगा। श्री शिव खोरी के भक्तों के लिए हेली–सर्विस भी अप्रैल महीने से शुरू होने की उम्मीद है। तीर्थयात्रियों को खराब मौसम और गिरते पत्थरों से बचाने के लिए, एक प्रोटेक्टिव ट्रैक शेड भी जल्द ही पूरा हो जाएगा।

भविष्य के डेवलपमेंट का रोडमैप भी तैयार कर लिया गया है। त्योहारों के मौसम में भारी भीड़ को देखते हुए, राम मंदिर और शिव खोरी के बीच भीड़ कम करने के लिए एक दूसरा ट्रैक बनाया जाएगा।

रानसू श्राइन बिल्डिंग और मौजूदा ट्रैक की पूरी मरम्मत और रेनोवेशन का काम किया जाएगा, साथ ही ट्रैक के किनारे साफ–सफाई की सही सुविधाएं भी दी जाएंगी। रानसू में तीर्थयात्रियों के लिए एक सराय और लंगर की सुविधा भी बनाई जाएगी।" लेफ्टिनेंट गवर्नर ने कहा कि अब समय आ गया है कि श्री शिव खोरी श्राइन बोर्ड भक्तों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए 'साउंड एंड लाइट शो' शुरू करे। उन्होंने कहा कि सबकी दिलचस्पी और आम सहमति से, रोपवे प्रोजेक्ट की संभावना पर विचार किया जा सकता है। लेफ्टिनेंट गवर्नर ने कहा, "हम एक ऐसा अच्छा इकोसिस्टम बनाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं, जहाँ लोकल व्यापारी, कारीगर, युवा और महिलाएँ नए मौके पा सकें, जिससे हर परिवार की खुशहाली पक्की हो सके।" लेफ्टिनेंट गवर्नर ने जेके बैंक की तरफ से श्री शिव खोरी श्राइन बोर्ड को दी गई कचरा उठाने वाली गाड़ी को भी हरी झंडी दिखाई।

आज जिन कामों का उद्घाटन हुआ, उनमें शिवम द्वार (दर्शनी ड्योढ़ी) का रेनोवेशन; यात्रा रजिस्ट्रेशन काउंटर समेत महादेव भवन की मरम्मत और रेनोवेशन; मौजूदा घाट का रेनोवेशन (शिवम द्वार के पास); नहाने के घाट के पास और शनि मंदिर के पास गजेबो, टॉयलेट कॉम्प्लेक्स, राम मंदिर के पास मेडिकल कियोस्क का रेनोवेशन; दर्शनी ड्योढ़ी के पास रानसू में पोनी शेड का कस्ट्रक्शन और अलग–अलग जगहों पर लाइट लगाना शामिल है।

श्री कुलदीप राज दुबे, रियासी से लेजिस्लेटिव असेंबली के मेंबर, श्री सज्जन जिदल, जेएसडब्ल्यू ग्रुप के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर (सीएमडी); श्री समेश कुमार, डिविजनल कमिश्नर जम्मू और चेयरमैन श्री शिव खोरी श्राइन बोर्ड; सुश्री सारा रिजवी, डीआईजी उधमपुर और रियासी रेंज; श्री कुमार अभिषेक, डिप्टी कमिश्नर रियासी; सीनियर अधिकारी; अलग–अलग क्षेत्रों के जाने–माने नागरिक और बड़ी संख्या में भक्त उद्घाटन समारोह में शामिल हुए।

रेल यात्रियों के लिए...

के माध्यम से टिकट बुकिंग, लाइव ट्रेन ट्रैकिंग और अब प्रीमियम फूड डिलीवरी जैसी सेवाओं को एक ही मंच पर उपलब्ध कराया गया है।

उन्होंने बताया कि जोमैटो और स्विग्गी के साथ तकनीकी समन्वय से यह सुनिश्चित किया गया है कि यात्रियों को उनकी पसंद का स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण भोजन सीधे उनकी बर्थ पर मिले। उन्होंने यात्रियों से अपील की कि वे अलग–अलग ऐप्स के बजाय इस ऑल–इन–वन समाधान का अधिक से अधिक उपयोग करें।

जम्मू–कश्मीर नायब...

उन्होंने कहा कि जम्मू–कश्मीर में बेरोजगारी दर करीब 6.7 प्रतिशत है और ऐसे में बेरोजगार युवाओं से इतनी बड़ी राशि वसूलना गंभीर चिंता का विषय है।सनक श्रोतस्त्र के अनुसार, नायब तहसीलदार भर्ती परीक्षा 2025 के लिए हजारों युवाओं ने उम्मीद के साथ आवेदन किया था, लेकिन परीक्षा स्थगित कर दी गई और अब तक नई तिथि घोषित नहीं की गई।

साथ ही जमा की गई फीस की वापसी को लेकर भी कोई स्पष्ट नीति सामने नहीं आई है।एबीवीपी का कहना है कि भर्ती प्रक्रियाओं में बार–बार देरी और स्पष्टता की कमी से युवाओं में मानसिक तनाव और आर्थिक दबाव बढ़ रहा है। संगठन ने सरकार से मांग की है कि भर्ती प्रक्रिया को जल्द स्पष्ट किया जाए और इसे पारदर्शी, समयबद्ध और जवाबदेह बनाया जाए।

शांति, प्रगति और...

एक दशक बाद स्थिर सरकार बनने की संभावना

भारतीय कूटनीतिज्ञों के लिए सबसे राहत की बात यह है कि नेपाल में लगभग एक दशक बाद एक स्थिर सरकार बनने की संभावना बनी है। पीएम मोदी ने इंटरनेट मीडिया पर लिखा कि वह नेपाल में शांतिपूर्ण और सफल चुनाव के लिए वहां की जनता और सरकार को हार्दिक बधाई देते हैं।

उन्होंने कहा कि यह नेपाल की लोकतांत्रिक यात्रा का एक ऐतिहासिक पड़ाव है। यह देखना उत्साहजनक है कि नेपाली नागरिकों ने बड़े उत्साह के साथ अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का उपयोग किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि एक करीबी मित्र और पड़ोसी के रूप में भारत नेपाल की जनता और वहां की नई सरकार के साथ मिलकर साझा शांति, प्रगति और समृद्धि के नए आयाम स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सूत्रों का कहना है कि भारत नेपाल की नई सरकार के साथ संबंधों को आगे बढ़ाने में कोई देरी नहीं करेगा। नई दिल्ली का मानना है कि नेपाल के साथ ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक संबंध इतने गहरे हैं कि किसी भी नई सरकार के साथ सहयोग को आगे बढ़ाना दोनों देशों के हित में है।

एक स्थिर सरकार बनने की संभावना को देखते हुए भारत को भरोसा है कि नेपाल की राजनीतिक अस्थिरता की वजह से हाल के वर्षों में द्विपक्षीय कारोबार, कनेक्टिविटी और ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग से जुड़ी परियोजनाएं लटकी हुई हैं, जिन्हें अब ज्यादा तेजी से आगे बढ़ाया जा सकेगा।

भारत को लेकर क्या रहा है बालेन शाह का स्टैंड?

हालांकि, नेपाल के अगले पीएम के तौर पर उभरे आरएसपी नेता बालेंद्र शाह का अतीत भारत को लेकर आलोचनात्मक रहा है। उन्होंने पहले ग्रेटर नेपाल जैसे मुद्दों को उठाते हुए भारत के खिलाफ तीखे बयान दिए थे।

इसके अलावा उन्होंने काठमांडू में कुछ समय के लिए बॉलीवुड फिल्मों के प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगाने की बात भी कही थी, जिससे दोनों देशों के सांस्कृतिक संबंधों को लेकर विवाद खड़ा हुआ था। काठमांडू के मेयर के तौर पर बालेंद्र शाह ने ग्रेटर नेपाल का नक्शा अपने कार्यालय में लगाया था। इस नक्शा में भारत के कई क्षेत्रों को नेपाल का हिस्सा दिखाया गया था।

भारत के खिलाफ उगल चुके हैं जहर

हालांकि, वह कई मौकों पर कह चुके हैं कि उनका विरोध किसी देश का नहीं बल्कि नेपाल की संप्रभुता व सांस्कृतिक पहचान को बचाने की है। सूत्रों का कहना है कि आरएसपी नेता ने कभी भारत के साथ युद्ध करने, हिस्सा करने जैसी बातें नहीं कही हैं, जैसा कि नेपाल के कई अन्य राजनेताओं ने पहले कही हैं।

उनकी तुलना श्रीलंका के वर्तमान राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से की जा सकती है जिनके राजनीतिक करियर की शुरुआत भारत विरोध से हुआ था। लेकिन उनकी पार्टी जनता विमुक्ति पेरामुना पार्टी के सत्ता में आने के बाद उनका रवैया बिल्कुल बदला हुआ है।

रूस से तेल खरीद...

सिंह के कार्यकाल में भी अमेरिका भारत को अपनी नीति के लिए प्रभावित करने की कोशिश करता रहा। लेकिन उन्होंने कहा था कि यह भारत का निर्णय है और हम वही करेंगे जो देश के लिए सही है।

वित्त विभाग का डीडीओ...

के अनुसार इनवॉइस में जीएसटीइन, इनवॉइस नंबर, तारीख, वस्तु या सेवा का विवरण, टैक्सेबल वैल्यू, लागू कर दर और कर राशि का स्पष्ट उल्लेख हो।

सर्कुलर में यह भी निर्देश दिया गया है कि सभी इनवॉइस की सत्यापित प्रतियां ठेकेदार के बिल के साथ रिकॉर्ड में सुरक्षित रखी जाएं, ताकि भविष्य में ऑडिट और सत्यापन के दौरान उन्हें प्रस्तुत किया जा सके।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि इन निर्देशों का उद्देश्य सरकारी कार्यों में पारदर्शिता बढ़ाना, जीएसटी कानूनों का पालन सुनिश्चित करना और सरकारी राजस्व की सुरक्षा करना है। साथ ही यह भी कहा गया है कि निर्धारित नियमों का पालन किए बिना किसी भी ठेकेदार के भुगतान को जारी नहीं किया जाएगा।

स्पीकर के विरुद्ध...

विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव को गिराने सहित विपक्ष को जवाब देने के लिए सत्ता पक्ष ने भी पूरी तैयारी की है। कांग्रेस को खास तौर पर एआइ समिट में किए गए प्रदर्शन को लेकर घेरा जाएगा। उल्लेखनीय है कि बजट सत्र के पहले चरण में पूर्व सेनाध्यक्ष एमएम नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक पर चर्चा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के प्रयास से जोर पकड़ने वाला सियासी संग्राम पीठ के अपमान, आठ विपक्षी सांसदों के निलंबन और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव से लेकर सत्ता पक्ष के इस आरोप तक पहुंचा कि कांग्रेस की महिला सांसदों ने सदन में पीएम की कुर्सी का घेराव कर उन पर हमले का षड्यंत्र रचा।

भारत–अमेरिका ट्रेड डील पर भी खींचतान चलती रही। सरकार अपनी ओर से तथ्य स्पष्ट करती रही और कांग्रेस समझौते पर सवाल उठाती रही। वह मामला दूसरा चरण में भी जारी रह सकता है, क्योंकि राजनीतिक मंचों से नेता प्रतिपक्ष इस मुद्दे को अभी भी लगातार उठा रहे हैं।

मुंबई में चमके जम्मू...

आने वाले थे। उनके निधन की जानकारी उनकी बहन वर्षा डोगरा ने सोशल मीडिया के माध्यम से साझा की। धनेश मुंबई के हबटाउन गार्डेनिया में रहते थे और शनिवार को मीरा रोड स्थित श्मशान घाट में उनका अंतिम संस्कार किया गया।धनेश डोगरा अपने पीछे अपनी बहन वर्षा डोगरा को छोड़ गए हैं।

उनके निधन पर नटरंग के निर्देशक बलवंत ठाकुर ने कहा कि धनेश का जाना जम्मू के कला जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि धनेश ने मुंबई में रहते हुए भी जम्मू के कलाकारों के लिए प्रेरणा का काम किया। वहीं समूह थियेटर के निर्देशक सुधीर महाजन ने भी उनके निधन को रंगमंच और अभिनय जगत के लिए बड़ी क्षति बताया और इस दुख की घड़ी में उनकी बहन के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

धनेश डोगरा का जाना सिर्फ एक कलाकार का जाना नहीं, बल्कि जम्मू के रंगमंच से निकली उस चमकती रोशनी का बुझ जाना है, जिसने अपने हुनर से दूर मुंबई तक अपनी पहचान बनाई थी।

... अब वही गीत कर रहा है सबको भावुक

अभिनेता धनेश डोगरा के आकस्मिक निधन के बाद उनके सोशल मीडिया पर साझा किए गए आखिरी पलों की यादें अब उनके चाहने वालों को और अधिक भावुक कर रही हैं। महज दो दिन पहले ही धनेश ने अपने फेसबुक पेज पर मशहूर गीत चलते चलते मेरे ये गीत याद रखना, कभी अलविदा न कहना अपनी आवाज में गाकर अपलोड किया था। उस समय वह बेहद खुश नजर आ रहे थे।

यह वीडियो उनके कुछ नन्हे प्रशंसकों ने अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड किया था। धनेश बच्चों के आग्रह पर यह गीत गा रहे थे और उनकी मासूम खुशी में खुद भी पूरे दिल से शामिल दिख रहे थे। बाद में उन्होंने यही वीडियो अपने फेसबुक अकाउंट पर साझा कर दिया। आज वही गीत और वही मुस्कुराता चेहरा उनके प्रशंसकों और परिचितों को भीतर तक भावुक कर रहा है।

... जब रंगमंच से जुड़ने और अभिनय करने की सलाह दी

दरअसल, बहुत कम लोग जानते हैं कि धनेश डोगरा को गायन का भी गहरा शौक था। उनके करीबी बताते हैं कि उनका सपना एक गायक बनने का था। संगीत के प्रति उनका लगाव हमेशा बना रहा और खाली समय में वह अक्सर गुनगुनाते रहते थे।हालांकि उनके जीवन की दिशा उस समय बदली जब समूह थियेटर के निर्देशक सुधीर महाजन ने उनकी प्रतिभा को पहचानते हुए उन्हें रंगमंच से जुड़ने और अभिनय करने की सलाह दी।

महाजन की प्रेरणा से धनेश ने नाटकों में अभिनय शुरू किया।आज जब उनके निधन की खबर से कला जगत और उनके प्रशंसक शोक में डूबे हैं, तब फेसबुक पर अपलोड किया गया उनका यह गीत मानो एक भावुक याद बनकर रह गया है। उनके चाहने वाले इस वीडियो को साझा करते हुए लिख रहे हैं कि धनेश सच में अलविदा कहकर नहीं गए, बल्कि अपने गीत, मुस्कान और अभिनय के जरिए हमेशा यादों में जिंदा रहेंगे।

बिगड़ रही डल...

जलीय जीवों के लिए है बेहद खतरनाक

विशेषज्ञों के अनुसार सायनोबैक्टीरियल ब्लूम नीले–हरे शैवाल होते हैं जो फास्फोरस, नाइट्रोजन की अधिकता के कारण तेजी से पनपते हैं। यह स्थिति पानी की सतह पर गाढ़ी, तैलीय परत बनाती है जो सूर्य का प्रकाश रोकती है और विष पैदा कर जल को जहरीला व ऑक्सीजन–मुक्त कर देती है। इससे जलीय जीवन मर जाता है। इंसानों के संपर्क में आने से चमड़ी पर रैशेज, गले में जलन, सांस की दिक्कत, निमोनिया और पेट की गंभीर परेशानी हो सकती है।

निगीन झील का पानी आता है पीने के लिए

ईपीजी ने कहा कि डल झील और आपस में जुड़ी निगीन झील का पानी निशात वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट के जरिए डल बंड लिपट स्टेशन और पोखरीबल लिपट स्कीम के जरिए म्युनिसिपल सप्लाई के लिए उठाया जाता है। सुपरिटेंडिंग इंजीनियर (हाइड्रोलिक), सर्कल श्रीनगर की ओर से सर्कुलेट किए गए एक वीडियो में कहा गया है कि वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट पानी की क्वालिटी पैरामीटर्स पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। यह पक्का कर रहे हैं कि श्रीनगर शहर के ग्राहकों को आपूर्ति करने से पहले ब्लूम से प्रभावित पानी को ठीक से ट्रीट किया जाए। इस पर ईपीजी का कहना है कि प्लांट लेवल पर रिएक्टिव ट्रीटमेंट, सोर्स पर प्रिवेंटिव इकोलॉजिकल मैनेजमेंट का विकल्प नहीं हो सकता।

ईपीजी ने डीवीडिंग की साइटिफिक जांच, टॉक्सिन मॉनिटरिंग नतीजों सहित पानी की क्वालिटी के डेटा को तुरंत पब्लिक में बताने और झील मैनेजमेंट के लिए एक परमानेंट मल्टीडिसिप्लिनरी ओवरसाइट सिस्टम बनाने की मांग की है।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई...

ले जा रहा था। जबकि जिला मजिस्ट्रेट जम्मू द्वारा बिना अनुमति जिले से बाहर मवेशियों के परिवहन पर प्रतिबंध लगाया गया है।

इस संबंध में कानाचक्क थाने में ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस फरार चालक की पहचान करने और उसे गिरफ्तार करने के प्रयास कर रही है।

ईरान में फंसे जम्मू–कश्मीर...

अधिकारियों ने परिवारों को आश्वासन दिया था कि गिरफ्तार लोगों को जल्द रिहा कर दिया जाएगा लेकिन अभी तक ऐसा नहीं हुआ है। जम्मू कश्मीर पुलिस से आग्रह है कि गिरफ्तार लोगों को जल्द रिहा किया जाए।

विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव को गिराने सहित विपक्ष को जवाब देने के लिए सत्ता पक्ष ने भी पूरी तैयारी की है। कांग्रेस को खास तौर पर एआइ समिट में किए गए प्रदर्शन को लेकर घेरा जाएगा।

उल्लेखनीय है कि बजट सत्र के पहले चरण में पूर्व सेनाध्यक्ष एमएम नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक पर चर्चा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के प्रयास से जोर पकड़ने वाला सियासी संग्राम पीठ के अपमान, आठ विपक्षी सांसदों के निलंबन और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव से लेकर सत्ता पक्ष के इस आरोप तक पहुंचा कि कांग्रेस की महिला सांसदों ने सदन में पीएम की कुर्सी का घेराव कर उन पर हमले का षड्यंत्र रचा।

भारत–अमेरिका ट्रेड डील पर भी खींचतान चलती रही। सरकार अपनी ओर से तथ्य स्पष्ट करती रही और कांग्रेस समझौते पर सवाल उठाती रही। वह मामला दूसरा चरण में भी जारी रह सकता है, क्योंकि राजनीतिक मंचों से नेता प्रतिपक्ष इस मुद्दे को अभी भी लगातार उठा रहे हैं।

HELPLINE

POLICE STATIONS	
Bagh-e-Bahu	2459777
Bakshi Nagar	2580102
Bus Stand	2575151
City	2543688
Gandhi Nagar	2430528
Gangyal	2482019
Nowbad	2571332
Pacca Danga	2548610
Railway Station	2472870
Sainik Colony	2462212
Satwari	2430364
Channi Himmat	2465164
Transport Nagar	2475444
Trikuta Nagar	2475133
Gandhi Nagar	2459660
SSP City	2561578
SP City North	2547038
SP South	2433778
Public Utility Services	
INDIAN AIR LINES	
City Office	2542735
Air Port	2430449
Jet Air Ways	2453999
City Office	2573399
RAILWAYS	
Railway Enquiry	131, 132, 2476407
Booking	2470318
Reservation	2470315
Public Health Engineering Stations	
Bakshi Nagar	2543557
Gandhi Nagar	2430786
Company Bagh	2542582
New Plot	2573429
Panjtirthi	2547537
Telecommunication Department	
Directory Enquiry	197
Fault Repair	198
Trunk Booking	180
Billing Complaint	2543896
JAMMU MUNICIPALITY	
Jn. Lines	2578503
Administration Officer	2542192
Health Officer	2547440
POSTAL SERVICES	
Head Post Office City	2543606
Gandhi Nagar	2435863
FIRE SERVICES	
Control Room	101, 132, 2476407
City	2544263
Gandhi Nagar	2457705
Canal	2554064
Gangyal	2480026
COOKING GAS DEALERS	
Chenab Gas	2547633
Gulmour Gas	2430835
JAKFED	2548297
HP Gas	2578456
Shivangi Gas	2577020
Tawi Gas	2548455
POWER HOUSES	
Gandhi Nagar	2430180
Canal Road	2554147
Janipur	2533828
Nanak Nagar	2430776
Parade	2542289
Satwari Cantt.	2452813
HOSPITALS	
GMC Hospital	2584290
S.M.G.S. Hospital	2547635
C.D. Hospital	2577064
Dental Hospital	2544670
Gandhi Nagar Hospital	2430041
Sarwal Hospital	2579402
G.B. Pant Cantt. Hospital	2433500
Ayurvedic College	2543661
C.R.P. Hospital	2591105
Acharya Shri Chander	2662536
Mental Hospital	2577444
Swami Vivekanand	2547418
Blood Bank	2547637
Ambulances	2584225, 2575364
Ambulances (Red Cross)	2543739
NURSING HOMES	
Maddan Hospital	2456727
Medicare	2435070
Triveni Nursing Home	2452664
Suvidha Nursing Home	2555965
Al. Firdous Nursing Home	2545050
Astha Nursing Home	2576707
Bee Enn Charitable Trust	2505310
Chopra Nursing Home	2573580
Harbans Singh Mem Hsp.	2541952
Jeevan Jyoti	2576985
Yudhvir Nursing Home	2547821
Mediaid Nursing Home	2466744
Sita Nursing Home	2435007
Vibhuti Nursing Home	2547969
Rameshwar Nursing Home	2580601
Bee Enn Cheritable	2555631
Maharishi Dayanand	2545225

Created by Universal Document Converter

माई भारत के चिंतन शिविर का "संपर्क से संवाद, संवाद से समाधान और समाधान से संकल्प" की भावना के साथ समापन

चुनौतियां और बाधाएं आएंगी, लेकिन हमें उन्हें पार करते हुए आगे बढ़ना है: केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती रक्षा खडसे

नई दिल्ली। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के युवा कार्यक्रम विभाग द्वारा आयोजित दो–दिवसीय माई भारत–एनएसएस चिंतन शिविर का आज बेंगलुरु स्थित इंस्टीट्यूट फॉर स्टेम सेल साइंस एंड रीजेनरेटिव मेडिसिन (इनस्टेम) में समापन हुआ। इस चिंतन शिविर में माई भारत और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के वरिष्ठ अधिका. रियों और फील्ड कर्मचारी ने एक साथ मिलकर विकसित भारत /2047 के विजन के अनुरूप युवाओं की भागीदारी के ढांचे को मजबूत करने और कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में सुधार लाने पर विस्तृत विचार–विमर्श किया।

इस कार्यक्रम की शोभा केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्य मंत्री श्रीमती रक्षा खडसे ने बढ़ाई। इस अवसर पर कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों ने विचार–विमर्श में भाग लिया और देश भर में युवा कार्यक्रमों को मजबूत करने के लिए अपने अनुभव और सर्वोत्तम कार्यप्रणालियाँ साझा कीं।

पहले दिन "संवाद से समाधान" विषय के तहत हुई चर्चाओं को आगे बढ़ाते हुए, दूसरे दिन का मुख्य केंद्र "समाधान से संकल्प" रहा, जिसका उद्देश्य विचारों और अंतर्दृष्टि को ठोस कार्ययोजनाओं में बदलना था। दिन की शुरूआत कोलेबोरेटिव पॉलिसी लैब्स के रूप में विषय–आधारित चर्चाओं के साथ हुई, जहाँ प्रतिभागियों ने युवाओं तक पहुँच बढ़ाने, स्वयंसेवक नेटवर्क का विस्तार करने और राज्यों में कार्यक्रमों के क्रियान्वयन को बेहतर बनाने के लिए समाधान और कार्ययोजनाएँ तैयार कीं।

सत्रों के दौरान, थीमैटिक ग्रुप्स ने युवाओं को संगठित करने और युवाओं के विकास के लिए काम करने वाले संस्थानों के बीच समन्वय सुधारने के उद्देश्य से केस स्टडी और सुझाव प्रस्तुत किए। इन प्रस्तुतियों के बाद, प्रस्तावित रणनीतियों को और बेहतर बनाने और उनके क्रियान्वयन के तरीकों में सामंजस्य बैठाने के लिए सामूहिक विचार–विमर्श किया गया।

अधिकारियों और प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए, युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्य मंत्री श्रीमती रक्षा निखिल खडसे ने माई भारत और एनएसएस के जिला एवं क्षेत्रीय कार्यालयों से फंड के बजाय कार्यक्षमता पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रभावी क्रियान्वयन और जमीनी स्तर पर जुड़ाव ही सार्थक है और युवाओं के विकास की कुंजी है। उन्होंने अधिकारियों को ग्राम सभा स्तर तक अपनी पहुँच बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया, ताकि युवा विकास की पहल गाँवों तक पहुँचे और जमीनी स्तर पर युवाओं को सशक्त बनाया जा सके। बड़े पैमाने पर कार्यक्रमों को लागू करने में आने वाली चुनौतियों को स्वीकार करते हुए उन्होंने कहा कि राह में चुनौतियां और बाधाएं तो आएंगी ही, लेकिन हमें उन्हें पार करते हुए आगे बढ़ना है। उन्होंने अधिकारियों से आह्वान किया कि वे सशक्त युवाओं के माध्यम से विकसित भारत के विजन को साकार करने के लिए दृढ़ संकल्प और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें।

इससे पहले, ब्रिक–इनस्टेम (ठत्प्ब्दृपदैजमउ) की निदेशक प्रोफेसर मनीषा एस. इनामदार ने संवाद के लिए एक प्लेटफॉर्म तैयार करने और जमीनी स्तर पर माई भारत एवं एनएसएस कार्यालयों की वास्तविक परिस्थितियों को समझने के लिए इस चिंतन शिविर की अवधारणा की सराहना की। उन्होंने कहा कि जिस तरह विज्ञान में हितधारकों के बीच चर्चा से नए विचार जन्म लेते हैं, उसी तरह इस प्रकार का संवाद स्थानीय स्तर पर आने वाली चुनौतियों के समाधान खोजने में सहायक सिद्ध हो सकता है।

चर्चा के परिणामों का सार प्रस्तुत करते हुए, युवा कार्यक्रम विभाग की सचिव डॉ. पल्लवी जैन गोविल ने युवा विकास की पहलों के लिए निरंतर मार्गदर्शन और प्रोत्साहन देने हेतु केंद्रीय मंत्री और राज्य मंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने "लेट्स कोलैबोरेट फॉर यूथ" की भावना पर भी जोर दिया और विभिन्न विभागों एवं संस्थानों को माई भारत प्लेटफॉर्म से जुड़ने और देश भर में युवाओं की भागीदारी को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रोत्साहित किया।

समापन सत्र के दौरान, युवाओं की भागीदारी बढ़ाने में उत्कृष्ट योगदान देने वाले अधिकारियों और जिलों को सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय मतदाता दिवस और बजट क्वेस्ट 2026 जैसे कार्यक्रमों के तहत उनके सराहनीय प्रयासों की सराहना की गई। इस अवसर पर केरल के राज्य निद. `शक श्री अनिल कुमार को राष्ट्रीय मतदाता दिवस 2026 में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया, वहीं तमिलनाडु के राज्य निदेशक श्री सेंथिल कुमार को बजट क्वेस्ट 2026 क्विज में सर्वश्रेष्ठ राज्य प्रदर्शन के लिए पुरस्कार प्रदान किया गया।

जिला स्तर पर, बजट क्वेस्ट 2026 में शानदार प्रदर्शन के लिए कर्नाटक के बेंगलुरु अर्बन की जिला युवा अधिकारी (डीवायओ) श्रीमती ए. नागालक्ष्मी को सर्वश्रेष्ठ जिला प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। इसी क्रम में, चेन्नई (तमिलनाडु) के श्री शिवा एम. एस. (डीवायओ) को दूसरा और हैदराबाद (तेलंगाना) की सुश्री खुशबू गुप्ता (डीवायओ) को तीसरा स्थान प्राप्त करने पर पुरस्कृत किया गया।

इन प्रयासों को मिली सराहना राज्यों और जिलों में युवा भागीदारी के बढ़ते उत्साह को दर्शाती है। साथ ही, यह युवाओं को संगठित करने में समर्पित अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित करती है। इस चिंतन शिविर के विचार–विमर्श का समापन सभी प्रतिभागियों की उस सामूहिक प्रतिबद्धता के साथ हुआ, जिसमें देश भर में युवाओं की भागीदारी और स्वयंसेवा की भावना को और अधिक सुदृढ़ करने का संकल्प लिया गया।

इस चिंतन शिविर का समापन "संपर्क से संवाद, संवाद से समाधान और समाधान से संकल्प" की मार्गदर्शक भावना के साथ हुआ। यह भारत की अमृत पीढ़ी को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदार के रूप में सशक्त बनाने और विकसित भारत@2047 के विजन को आगे बढ़ाने के संकल्प को फिर से दोहराता है।

प्रधानमंत्री ने नेपाल की जनता और सरकार को चुनावों के सफल एवं शांतिपूर्ण संचालन के लिए बधाई दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नेपाल की जनता और सरकार को देश में चुनावों के सफल एवं शांतिपूर्ण संचालन के लिए बधाई दी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि नेपाल की जनता को बेहद उत्साह के साथ अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग करते देखना बेहद खुशी की बात है। उन्होंने सफल चुनावों को एक ऐतिहासिक उपलब्धि और नेपाल की लोकतांत्रिक यात्रा का एक गौरवशाली क्षण बताया। श्री मोदी ने आगे कहा कि एक घनिष्ठ मित्र एवं पड़ोसी के रूप में, भारत नेपाल की जनता और नई सरकार के साथ मिलकर शांति, प्रगति तथा समृद्धि की नई ऊंचाइयों को छूने के लिए दृढ़ प्रतिज्ञ है।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा;

"नेपाल की जनता और सरकार को चुनावों के सफल एवं शांतिपूर्ण संचालन के लिए हार्दिक बधाई। अपने नेपाली बहनों और भाइयों को इतने उत्साहपूर्वक अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग करते देखना बेहद खुशी की बात है।

यह ऐतिहासिक उपलब्धि नेपाल की लोकतांत्रिक यात्रा का एक गौरवशाली क्षण है।

एक घनिष्ठ मित्र एवं पड़ोसी के रूप में, भारत नेपाल के लोगों और उनकी नई सरकार के साथ मिलकर शांति, प्रगति तथा समृद्धि की नई ऊंचाइयों को छूने के लिए दृढ़ प्रतिज्ञ है।"

डाबर 'रियल जूस' का महिला दिवस पर नया अभियान: "आत्म–संदेह छोड़ें, खुद पर भरोसा करें"

जम्मू 07 मार्च 2026: इस महिला दिवस पर जूस ब्रांड 'रियल' (**Réal**) ने अपना नया कैंपेन "कीप इट रियल" (**Keep It Réal**) शुरू किया है। इसका मकसद महिलाओं को उनके मन में उठने वाले डर और शक (**Self-doubt**) को दूर करने के लिए प्रेरित करना है।

अक्सर महिलाएं खुद की काबिलियत पर शक करती हैं। यह अभियान बताता है कि एक महिला का अपने परिवार, काम और खुद के लिए प्यार, उसके किसी भी डर से कहीं ज्यादा बड़ा और मजबूत है।

डाबर इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट (मार्केटिंग) मयंक कुमार ने कहा "हम सिर्फ सफलता का जश्न नहीं मनाना चाहते, बल्कि उस मुश्किल सफर और संघर्ष का भी सम्मान करना चाहते हैं जो एक महिला तय करती है। हम महिलाओं को याद दिलाना चाहते हैं कि उनकी असली ताकत उनका दिल और मेहनत है।"

इस अभियान के तहत "रियल कन्वर्सेशन्स" नाम की एक सीरीज शुरू की गई है। इसमें अलग–अलग क्षेत्रों की महिलाएं अपनी चुनौतियों पर खुलकर बात करती हैं। वे बताती हैं कि कैसे वे घर और बाहर की जिम्मेदारियों के बीच तालमेल (**The Juggle**) बैठाती हैं और कैसे अपने मन के डर को पीछे छोड़कर आगे बढ़ती हैं। यह बातचीत दिखाती है कि अगर मन में जुनून और अपनों की परवाह हो, तो कोई भी हिचकिचाहट आपको रोक नहीं सकती। – सुश्री मोनिषा पराशर, जी.एम. मार्केटिंग दृ फूड्स, डाबर इंडिया लिमिटेड।

देश भर में 8वां जनऔषधि दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया

केंद्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने अगले वर्ष तक जनऔषधि नेटवर्क को 25,000 केंद्रों तक विस्तारित करने के सरकार के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला

नई दिल्ली। रसायन औरउर्वरक मंत्रालय के केंद्रीय मंत्री श्री जेपी नड्डा और रसायन औरउर्वरक राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले जनऔषधि केंद्र के मालिकों को पुरस्कार प्रदान किए

आज देशभर में 8वां जनऔषधि दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया, जो रसायन और उर्वरक मंत्रालय के औषधि विभाग के अंतर्गत फार्मास्यूटिकल्स एंड मेडिकल डिवाइसेज़ ब्यूरो ऑफ इंडिया (पीएमबीआई) द्वारा आयोजित सप्ताह भर चलने वाले जनऔषधि सप्ताह 2026 समारोहों के समापन का प्रतीक है।

इस अवसर को मनाने के लिए देश भर में 25 स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहां प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र (पीएमबीजेके) के मालिकों को प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना (पीएमबीजेके) के तहत सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाओं को बढ़ावा देने में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन और योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

केंद्रीय रसायन और उर्वरक मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल विशिष्ट अतिथि के रूप में और औषधि विभाग के सचिव श्री मनोज जोशी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इनके अलावा वरिष्ठ अधिकारी, पीएमबीआई के प्रतिनिधि, जनऔषधि केंद्र संचालक और योजना के लाभार्थी भी उपस्थित थे।

तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और दिल्ली सहित देशभर के 13 जनऔषधि केंद्रों को पुरस्कार प्रदान किए गए। इन केंद्रों को उत्कृष्ट बिक्री प्रदर्शन, कुशल सेवा वितरण और नागरिकों के बीच गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाओं के बारे में जागरूकता फैलाने की प्रतिबद्धता के लिए सम्मानित किया गया। अपने निरंतर प्रयासों के माध्यम से, जनऔषधि केंद्र महत्वपूर्ण सामुदायिक स्वास्थ्य सेवा केंद्र के रूप में उभरे हैं, जो नागरिकों को काफी कम कीमतों पर गुणवत्तापूर्ण जेने. रिक दवाएं उपलब्ध कराने में मदद करते हैं।

सभा को संबोधित करते हुए श्री जगत प्रकाश नड्डा ने प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना के परिवर्तनकारी प्रभाव पर प्रकाश डाला, जिसने देश भर के नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सेवा को अधिक किफायती और सुलभ बनाया है।

श्री जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय मंत्री, रसायन और उर्वरक मंत्रालय ने भारत मंडपम, नई दिल्ली में 8वें जनऔषधि दिवस समारोह को संबोधित किया।

श्री नड्डा ने कहा कि सरकार इस कार्यक्रम को और मजबूत बनाने के लिए तीन प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेगी। पहला, गुणवत्ता के उच्चतम मानकों को सुनिश्चित करना और जेनेरिक दवाओं की गुणवत्ता के बारे में जन जागरूकता बढ़ाना ताकि अधिक से अधिक लोग आत्मविश्वास से इनका चुनाव कर सकें। दूसरा, नियमित आपूर्ति और वितरण में सुधार करना, और आपूर्ति श्रृंखला को और मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास करना ताकि देश भर के सभी जनऔषधि केंद्रों पर दवाएं आसानी से उपलब्ध रहें। तीसरा, केंद्र संचालकों के लिए उचित लाभ सुनिश्चित करना, ताकि यह पहल इन केंद्रों को चलाने वाले उद्यमियों के लिए लाभदायक बनी रहे।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनऔषधि पहल एक आंदोलन का रूप ले चुकी है और सरकार इसे नए सिरे से आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी बताया कि जनऔषधि केंद्रों के माध्यम से यह योजना स्वरोजगार के महत्वपूर्ण अवसर पैदा कर रही है, जिससे 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लक्ष्य को साकार करने में योगदान मिल रहा है।

सुलभ स्वास्थ्य सेवा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए, श्री नड्डा ने कहा कि जनऔषधि पहल यह सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है कि वित्तीय बाधाओं के कारण कोई भी नागरिक आवश्यक दवाआ. `से वंचित न रहे।

महिला उद्यमी जनऔषधि पहल की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं:

इस अवसर पर बोलते हुए, केंद्रीय रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने देश भर में महिला उद्यमियों को सशक्त बनाने में इस योजना की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जनऔषधि परियोजना ने न केवल सस्ती दवाओं तक पहुंच को मजबूत किया है, बल्कि महिलाओं के लिए आजीविका के महत्वपूर्ण अवसर भी सृजित किए हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 18,000 से अधिक जनऔषधि केंद्रों में से 8000 से अधिक केंद्र महिलाओं द्वारा संचालित किए जा रहे हैं, जो यह दर्शाता है कि इस योजना ने महिलाओं को सफल उद्यमी बनने के लिए कैसे सशक्त बनाया है।

सप्ताह भर चलने वाले जनऔषधि सप्ताह में भारी जनभागीदारी देखी गई:

जनऔषधि दिवस के उत्सव के साथ ही जनऔषधि सप्ताह 2026 का समापन हुआ, जो कि किफायती और गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाओं के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए 1 मार्च से 7 मार्च 2026 तक आयोजित एक राष्ट्रव्यापी अभियान था।

पूरे सप्ताह देश भर में नागरिकों को जेनेरिक दवाआ. `को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु अनेक गतिविधियों का आयोजन किया गया। 1 से 5 मार्च तक 250 से अधिक स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए गए, जहां नागरिकों को निःशुल्क चिकित्सा परामर्श, निदान सेवाएं और जनऔषधि की दवाएं उपलब्ध कराई गईं।

छठे दिन, देश भर में 30 से अधिक स्थानों पर पदयात्राओं का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों, स्वास्थ्य पेशेवरा. `, केंद्र संचालकों और समुदाय के सदस्यों सहित प्रतिभागियों ने सस्ती जेनेरिक दवाओं के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्रों से होकर पदयात्राएं कीं।

इन गतिविधियों ने सामूहिक रूप से जनऔषधि दिवस के राष्ट्रव्यापी उत्सव से पहले बड़े पैमाने पर जनभागीदारी और जागरूकता पैदा करने में मदद की।

उद्यमिता और जनभागीदारी को प्रोत्साहन देना

दवाओं तक पहुंच में सुधार के साथ–साथ, जनऔषधि पहल उद्यमिता और रोजगार सृजन को भी बढ़ावा देती है। फार्मासिस्ट, डॉक्टर, उद्यमी और प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र खोलने के इच्छुक पात्र व्यक्ति आधिका. रिक वेबसाइट **www-Janaushadhi-gov-in** के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। इस योजना के तहत उद्यमियों को केंद्र स्थापित करने में सहायता प्रदान करने के लिए वित्तीय सहायता और प्रोत्साहन दिए जाते हैं, जिससे वे राष्ट्र के स्वास्थ्य सेवा मिशन में योगदान दे सकें।

सस्ती दवाओं तक डिजिटल पहुंच

नागरिक 'जनऔषधि सुगम' मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से जनऔषधि केंद्रों और दवाओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। यह एप्लिकेशन उपयोगकर्ताओं को निकटतम केंद्र का पता लगाने और उपलब्ध दवाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने में मदद करता है। यह मोबाइल एप्लिकेशन एक महत्वपूर्ण डिजिटल प्लेटफॉर्म बन गया है जो नागरिकों को सस्ती दवाओं और आस–पास के जनऔषधि केंद्रों से संबंधित जानकारी आसानी से प्राप्त करने में सक्षम बनाता है।

सीएसआईआर–एनआईएससीपीआर ने नेतृत्व, नवाचार और कल्याण में महिलाओं की भूमिका पर प्रेरक वार्ता के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 का आयोजन किया

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 के उपलक्ष्य में, सीएसआईआर–राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं नीति अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर–एनआईएससीपीआर), नई दिल्ली ने विज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं की उपलब्धियों और योगदान को सम्मानित करने के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम 6 मार्च 2026 को एनआईएससीपीआर में आयोजित किया गया। इसमें वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और कर्मचारियों ने वैज्ञानिक प्रगति और राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देने के लिए एक साथ भाग लिया।

सीएसआईआर–एनआईएससीपीआर की निदेशक डॉ. गीता वाणी रायसम ने स्वागत भाषण में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला और वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने और महिलाओं को सशक्त बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि महिला वैज्ञानिक विभिन्न वैज्ञानिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं और विज्ञान में महिलाओं के लिए समावेशी और सहायक वातावरण बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

मुख्य अतिथि, डॉ. विभा मल्होत्रा घ्साहनी, वैज्ञानिक 'एच' और टीएमडी प्रमुख, सीएसआईआर मुख्यालय ने "सीएसआईआर: विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार विकास और प्रबंधन" विषय पर एक ज्ञानवर्धक भाषण दिया। उन्होंने भारत में वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार को आगे बढ़ाने में सीएसआईआर की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और नेतृत्व पर जोर दिया।

नई दिल्ली के अटल बिहारी वाजपेयी आयुर्वेद संस्थान और डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में मानसिक स्वास्थ्य उत्कृष्टता केंद्र की मनोचिकित्सा ओपीडी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मीनू चंद्र ने एक आकर्षक और प्रेरणादायक प्रस्तुति दी। "गिव टू गेन" शीर्षक से अपने भाषण में उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि महिलाएं हर क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने की क्षमता रखती हैं और वे केवल पारिवारिक जिम्मेदारियों तक सीमित नहीं हैं। उन्होंने बताया कि महिलाएं विज्ञान और अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देते हुए पारिवारिक और व्यावसायिक जीवन में सफलतापूर्वक संतुलन बनाए हुए हैं। उनके संबोधन ने महिलाओं को अपनी शक्तियों को पहच. ानने और आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर, एनआईएससीपीआर की लोकप्रिय विज्ञान पत्रिका "विज्ञान प्रगति" का महिला वैज्ञानिकों पर केंद्रित विशेष अंक भी जारी किया गया। इस विशेष अंक में प्रसिद्ध अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स, भारत की मिसाइल विशेषज्ञ टेसी थॉमस, सीएसआईआर की महानिदेशक एन. कलाइसेल्वी के साक्षात्कार और रोहिणी गोडबोले, गौरा देवी और महिला विज्ञान संचारकों पर महत्वपूर्ण लेख शामिल हैं।

कार्यक्रम का समापन महिला वैज्ञानिकों और पेशेवरों के योगदान की सराहना के साथ हुआ। यह आयोजन महिलाओं की भावना, उपलब्धियों और दृढ़ता का समारोह मनाने के लिए एक सार्थक मंच साबित हुआ, साथ ही इसने लैंगिक समानता को बढ़ावा देने और विज्ञान एवं अनुसंधान में महिलाओं की भागीदारी का समर्थन करने के लिए सीएसआईआर–एनआईएससीपीआर की प्रतिबद्धता दोहराई।

Created by Universal Document Converter

सम्पादकीय

सिर कलम करने का जुआ

अमेरिकां–इज़राइल के जॉइंट स्ट्राइक में अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या, दशकों में वेस्ट एशिया के झगड़े में सबसे ज्यादा तेजी दिखाती है। लगभग चार दशकों तक, खामेनेई सिर्फ ईरान के हेड ऑफ स्टेट ही नहीं थे, बल्कि इस्लामिक रिपब्लिक के आइडियोलॉजिकल कोर की पहचान थे। उनकी मौत कोई टैक्टिकल झटका नहीं है, यह एक स्ट्रेटेजिक मूकंप है। प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने इस हमले को एक जरूरी कदम बताया है ताकि यह पक्का हो सके कि ईरान कभी न्यूक्लियर वेपन हासिल न कर पाए।

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लंबे समय से यह तर्क देते रहे हैं कि न्यूक्लियर–थ्रेशहोल्ड वाला ईरान, इज़राइल के लिए अस्तित्व का खतरा है। उनकी सरकारों ने अब इस विश्वास पर बहुत ज़्यादा ज़ोर देकर काम किया है , सीनियर लीडरशिप, मिलिट्री इंफ्रास्ट्रक्चर और उस सिक्योरिटी सिस्टम को निशाना बनाया है जो मौलवी शासन को सपोर्ट करता है। लेकिन सिर कलम करना, खत्म करने जैसा नहीं है। ईरान का सिस्टम ठीक इसी तरह बनाया गया था कि लोगों के नुकसान के बाद भी वह बना रहे। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स कोई पर्सनल मिलिशिया नहीं है; यह एक इंस्टीट्यूशनल पावर सेंटर है जिसकी इकोनॉमिक पहुंच, आइडियोलॉजिकल एकजुटता और इराक से सीरिया तक के युद्ध के मैदान का अनुभव है। एक्सपर्ट्स की असेंबली के जरिए उत्तराधिकारी चुनने का संवैधानिक सिस्टम ऐसे ही पलों के लिए मौजूद है। लीडरशिप शॉक का मतलब अपने आप सरकार का गिरना नहीं होता। अगर कुछ है, तो इतिहास इसका उल्टा बताता है।

बाहरी हमले अक्सर कट्टरपंथियों को मज़बूत करते हैं। वाशिंगटन से ईरानियों से अपने देश को "वापस लेने" की अपील, दमन और आर्थिक तनाव से थकी हुई आबादी के कुछ हिस्सों में गूंज सकती है। फिर भी, सरकार बदलना शायद ही कभी विद. शी बॉम्बर्स के ज़रिए होता है। जब लगता है कि सॉवरेनिटी पर हमला हो रहा है, तो नेशनलिस्ट रिएक्शन घरेलू विरोध को दबा सकता है। क्षेत्रीय नतीजे पहले से ही साफ़ हैं। ईरानी मिसाइलों और ड्रोन ने इजराइल और खाड़ी के पार ै–अलायंस वाले देशों को निशाना बनाया है। एयरस्पेस बंद करना, इंटरसेप्ट किए गए प्रोजेक्टाइल, और सिवि. लियन इंफ्रास्ट्रक्चर को नुकसान यह दिखाता है कि एक बाइलेटरल हमला कितनी जल्दी कई मोर्चों पर टकराव में बदल सकता है। होर्मुज की स्ट्रेट , ग्लोबल एनर्जी सप्लाई की आर्टरी , बढ़ने की रेंज में है। पूरी तरह ब्लॉकेड के बिना भी, अकेले रिस्क प्रीमियम ग्लोबल मार्केट को हिला सकते हैं।

इसका कानूनी और डिप्लोमैटिक पहलू भी है। शांति के समय में किसी मौजूदा राष्ट्राध्यक्ष की टारगेटेड हत्या , युद्ध की औपचारिक घोषणा के बिना , इंटरनेशनल कानून पर तीखी बहस छेड़ देगी, एक ऐसा पहलू जिसने प्रेसिडेंट ट्रंप को कभी भी बेवजह परेशान नहीं किया। रूस ने हमले की निंदा की है, यूरोपियन सरकारों को गठबंधन की एकजुटता और बेकाबू बढ़त के डर के बीच बैलेंस बनाने में मुश्किल होगी। यूनाइटेड नेशंस सिक्योरिटी काउंसिल निश्चित रूप से समाधान के बजाय आरोप–प्रत्यारोप का अखाड़ा बन जाएगी। वाशिंगटन के लिए, दांव यह है कि खामेनेई को हटाने से ईरान की स्ट्रेटेजिक तालमेल कमजोर होगा और अंदरूनी दरार तेज होगी।

तेहरान के बचे हुए नेतृत्व के लिए, यह जरूरी है कि वह भारी जवाबी कार्रवाई शुरू किए बिना लचीलापन और रोकथाम दिखाए। दोनों पक्ष अब एक ऐसे चक्र में फंस गए हैं जहां संयम कमजा. री और बढ़त जरूरत लग सकती है। यह अब सेंट्रीफ्यूज या एनरिचमेंट थ्रेशहोल्ड के बारे में नहीं है। यह इस बारे में है कि क्या पश्चिम एशिया एक छोटी, हिंसक ऐंठन में प्रवेश कर रहा है , या एक बड़े क्षेत्रीय युद्ध के शुरुआती चैप्टर में। अगला कदम, शुरुआती हमला नहीं, यह तय करेगा कि कौन सा।

नीतीश कुमार की नई सधी हुई बिहारी चाल के सियासी निहितार्थ

कमलेश पांडे

बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल यूनाइटेड सुप्रीमो नीतीश कुमार राजनीति के मंजे हुए खिलाड़ी हैं। सियासत के चाणक्य श्री कुमार ने भाजपा के दबाव में नहीं, बल्कि अपनी केंद्रीय राजनीतिक संभावनाओं को उभारने के लिए दिल्ली कूच करने का अप्रत्याशित फैसला लिया है। भले ही उन्होंने राज्यसभा जाने का निर्णय बिहार की राजनीति में अपेक्षित एक बड़े बदलाव के हिस्से के रूप में लिया है, लेकिन यह भी उनकी लंबे समय से चली आ रही एक अधूरी इच्छा को प्रकट/पूरा करता है।

राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, भाजपा के ओबीसीकरण के दृष्टिगत राष्ट्रीय स्तर पर सवर्णों की भाजपा नीत एनडीए से बेरुखी से उपजी सियासी परिस्थितियों का लाभ उठाने के लिए ही उन्होंने यह नया कदम उठाया है, जिसे एक तीर से कई निशाने के तौर पर देखा जाने लगा है। देश की समाजवादी राजनीति में भी अब उनका कोई निकट प्रतिद्वंद्वी नहीं बचा है। इसलिए गुरुवार, 5 मार्च 2026 को राज्यसभा की सदस्यता हेतु नामांकन दाखिल करने के साथ ही उनका अब नया भविष्य भी जुड़ा है।

समझा जाता है कि नीतीश कुमार की राज्यसभा सदस्यता की पुरानी 'अधूरी हसरत' अब पूरी हो रही है, क्योंकि वे विधानसभा, विधान परिषद और लोकसभा तो रह चुके हैं, लेकिन राज्यसभा नहीं। वहीं, राज्यसभा सदस्य बनने के बाद राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, एक्सीडेंटल प्रधानमंत्री, उपप्रधानमंत्री, कद्दावर केंद्रीय मंत्री बनने की उनकी नई सम्भावनाएं बनेंगी। वहीं राष्ट्रीय राजनीति में अपनी भूमिका बढ़ाने के लिए भी उनका यह कदम देखा जा रहा है, जहां वे बिहार, सामाजिक न्याय और विकास मुद्दों पर प्रभाव छोड़ सके।

राजनीतिक विश्लेषक भी मानते हैं कि भाजपा की सलाह पर यह निर्णय लिया गया लगता है, क्योंकि 2025 विधानसभा चुनाव में एनडीए की जीत के बाद बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी (89 सीटें) बन गई है। इससे बिहार में भाजपा का मुख्यमंत्री बनना आसान हो सकता है, जबकि नीतीश के बेटे निशांत को डिप्टी सीएम बनाए जाने की चर्चा है। हालांकि, जदयू में उनके इस फैसले पर असंतोष है, लेकिन इसे उनका व्यक्तिगत निर्णय बताया जा रहा है।

वहीं विपक्ष इसे बीजेपी का "मास्क" हटाने का प्रयास मान रहा है। इससे राजद को पुन सियासी ऑक्सीजन मिल सकता है। यूँ तो नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद बिहार के नए मुख्यमंत्री की घोषणा अभी स्पष्ट रूप से नहीं हुई है, क्योंकि यह प्रक्रिया राज्यसभा चुनाव के परिणाम (16 मार्च 2026) के बाद शुरू होगी। एनडीए में बीजेपी का सबसे बड़ा दावा माना जा रहा है, क्योंकि उनके पास 89 विधायक हैं। हालांकि, संभावित उम्मीदवार के तौर पर सम्राट चौधरी वर्तमान डिप्टी सीएम और भाजपा विधायक दल नेता, जिनकी दावेदारी सबसे मजबूत है। उनके पास गृह मंत्रालय जैसे महत्वपूर्ण विभाग हैं और राजनीतिक अनुभव समृद्ध है। वहीं, विजय कुमार सिन्हा उपमुख्यमंत्री व पूर्व विधानसभा अध्यक्ष, आक्रामक शैली के लिए जाने जाते हैं, लेकिन सम्राट से थोड़ा पीछे हैं। वहीं नित्यानंद राय केंद्रीय मंत्री, ठअच से प्रमुख नाम हैं, लेकिन नया चेहरा भी संभव है। अन्य चर्चाएंओं में नीतीश के बेटे निशांत कुमार को डिप्टी सीएम बनाए जाने की संभावना है, क्योंकि उनका कोई स्वतंत्र चुनावी आधार नहीं है।

जदयू नेता विजय चौधरी ने पुष्टि की कि भाजपा से ही मुख्यमंत्री बनेगा। यह बदलाव एनडीए की आंतरिक रणनीति का हिस्सा लगता है। इससे भी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रभावित होगा। वहीं, निशांत कुमार को डिप्टी सीएम बनाने का विचार मुख्य रूप से नीतीश कुमार की राजनीतिक विरासत को सुरक्षित रखने के लिए उठाया जा रहा है। वे लो–प्रोफाइल जीवन जीते रहे हैं, लेकिन पिता के राज्यसभा जाने के बाद जदयू में उनकी एंट्री तय मानी जा रही है।

जहां तक राजनीतिक रणनीति की बात है तो नीतीश के राष्ट्रीय स्तर पर जाने से बिहार में भाजपा को मुख्यमंत्री पद मिलेगा, जबकि निशांत को डिप्टी सीएम बनाकर जदयू का प्रभाव कायम रहेगा। हालांकि एनडीए की बैठक में इस पर मुहर लगने की चर्चा है, जो सत्ता समीकरण को संतुलित करेगी। वहीं निशांत अब तक सियासत से दूर रहे, लेकिन उनकी नियुक्ति पिता की लंबी राजनीतिक यात्रा को आगे बढ़ाने का प्रयास है। यह कदम जदयू कार्यकर्ताओं को एक नया चेहरा देकर पार्टी को मजबूत करने के उद्देश्य से है। इसके अलावा मोदी के हनुमान लोजपा कोटे से केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की सियासत को चमकाने के लिए भी यह नया फेरबदल संभावित प्रतीत होता है।

नारी शक्ति का नया युग और वास्तविक चुनौतियां

ललित गर्ग

मानव सभ्यता के विकास की कथा में यदि किसी शक्ति ने सबसे अधिक सृजन किया है, तो वह नारी शक्ति है। वह जीवन की जननी है, संस्कृति की वाहक है और समाज की संवेदनशील आत्मा है। भारतीय परंपरा ने नारी को केवल एक सामाजिक भूमिका तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे 'माता' के रूप में सर्वोच्च आदर दिया। 'मातृदेवो भव' की वाणी से लेकर 'जन्नी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी' की घोषणा तक हमारी संस्कृति में नारी के प्रति श्रद्धा का अद्वितीय भाव दिखाई देता है। यही कारण है कि भारत में धरती, गौ और मातृभूमि तक को 'माता' कहकर संबोधित किया गया। किन्तु विडम्बना यह है कि जिस समाज ने नारी को देवी का दर्जा दिया, उसी समाज में आज भी नारी असुरक्षा, भेदभाव और हिंसा का सामना कर रही है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 हमें केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं देता, बल्कि यह अवसर देता है कि हम नारी की वास्तविक स्थिति का गंभीर आत्ममंथन करें। विश्व स्तर पर किए गए अध्ययनों से यह स्पष्ट होता है कि नारी की स्थिति में प्रगति अवश्य हुई है, किन्तु समानता, सुरक्षा एवं स्वतंत्रता की यात्रा अभी लंबी है। विश्व आर्थिक मंच की ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 के अनुसार विश्व में लैंगिक समानता का लगभग 68.8 प्रतिशत अंतर ही समाप्त हो पाया है, अर्थात् अभी भी लगभग एक तिहाई अंतर शेष है। आर्थिक भागीदारी के क्षेत्र में यह अंतर सबसे अधिक है, जहाँ समानता केवल लगभग 61 प्रतिशत तक ही पहुँची है।

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम कि स्थिति बताती है कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में तो महिलाएँ लगभग बराबरी के स्तर तक पहुंच गई है, परंतु आर्थिक अवसरों और राजनीतिक नेतृत्व में अभी भी उनकी भागीदारी सीमित है। वैश्विक स्तर पर महिलाएँ कुल कार्यबल का लगभग 42 प्रतिशत ही है और शीर्ष प्रबंधकीय पदों पर उनकी हिस्सेदारी लगभग एक–तिहाई के आसपास है। भारत में भी स्थिति मिश्रित है। एक ओर भारतीय महिलाएँ अंतरिक्ष, विज्ञान, सेना, राजनीति और प्रशासन में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त कर रही है, वहीं दूसरी ओर श्रम बाजार में उनकी भागीदारी अभी भी कम है। हाल के आँकड़ों के अनुसार भारत में महिला श्रम भागीदारी दर लगभग 32 प्रतिशत है और बड़ी संख्या में महिलाएँ घरेलू दायित्वों के कारण रोजगार से बाहर रहती है। बिजनेस स्टैंडर्ड के यह आँकड़े केवल संख्या नहीं है, यह समाज की संरचना, सोच और अवसरों की असमानता को उजागर करते है। आज दुनिया के अनेक देशों में महिलाएँ राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, वैज्ञानिक, सैन्य अधिकारी और उद्योगपति के रूप में नेतृत्व कर रही है। भारत में भी राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, वैज्ञानिक और फाइटर पायलट के रूप में महिलाओं की उपस्थिति इस परिवर्तन का प्रमाण बनी है और बन रही है। किंतु इसके साथ यह भी रूक्ष है कि दुनिया में अभी भी केवल सीमित देशों में ही महिलाएँ सर्वोच्च राजनीतिक पदों पर है और समान वेतन का प्रश्न अभी भी अधूरा है। कई अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार महिलाओं को समान कार्य के लिए पुरुषों की तुलना में औसतन कम वेतन मिलता है। एक और चिंताजनक तथ्य यह है कि संघर्ष, युद्ध और संकट की स्थितियों का सबसे अधिक दुष्प्रभाव महिलाओं पर पड़ता है। हाल के वैश्विक अध्ययनों के अनुसार 2024 में लगभग 67 करोड़ महिलाएँ ऐसे क्षेत्रों में रह रही थी जो किसी न किसी प्रकार के हिंसक संघर्ष से प्रभावित थे।

नये युग की समस्याएं जैसे जलवायु परिवर्तन, युद्ध, आतंकवाद, गरीबी और डिजिटल असमानता भी महिलाओं के लिए नई चुनौतियाँ खड़ी कर रही है। यदि इन समस्याओं पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले दशकों में करोड़ों महिलाएँ और लड़कियाँ अत्यधिक गरीबी की ओर धकेली जा सकती है। इतिहास के पन्ने यह भी बताते है कि जब–जब समाज संकट में पड़ा, तब–तब नारी शक्ति ने असाधारण साहस का परिचय दिया। स्वतंत्रता संग्राम में रानी चेनम्मा, बेगम हजरत महल, रानी अक्तीबाई, सरोजिनी नायडू और दुर्गा भाभी जैसी वीरांगनाओं ने यह सिद्ध किया कि नारी केवल करुणा की प्रतिमा नहीं, बल्कि संघर्ष और साहस की भी प्रतीक है। लेकिन इतिहास के इन गौरवपूर्ण अध्यायों के बावजूद नहीं है, बल्कि वह सोच है जिसने सदियों तक नारी को 'कमजोर' मानकर उसकी क्षमता को सीमित करने का प्रयास किया।

जब समाज नारी को केवल भूमिका से जोड़ता है, व्यक्ति के रूप में नहीं देखता, तभी असमानता जन्म लेती है। अंत राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 का वैश्विक संदेश भी इसी दिशा में संकेत करता है– "सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए अधिकार, न्याय और वास्तविक कार्रवाई।" यह संदेश हमें याद दिलाता है कि आज भी दुनिया में महिलाओं को पुरुषों के समान कानूनी अधिकार पूरी तरह प्राप्त नहीं है और औसतन उन्हें पुरुषों के मुकाबले लगभग 64 प्रतिशत ही कानूनी अधिकार प्राप्त है। संयुक्त राष्ट्रसंघ कि यह स्थिति हमें सोचने के लिए बाध्य करती है कि केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन कानूनों को सामाजिक चेतना में बदलना भी आवश्यक है। नारी सशक्तिकरण का वास्तविक अर्थ केवल अधिकार देना नहीं है, बल्कि अवसर, सम्मान और निर्णय लेने की स्वतंत्रता देना है। शिक्षा, स्वास्थ्य, डिजिटल साक्षरता, आर्थिक स्वावलंबन और राजनीतिक भागीदारी, ये पाँच स्तंभ नारी सशक्तिकरण की वास्तविक नींव है। परंतु इस परिवर्तन की शुरुआत घर से ही होगी। यदि परिवार में बेटी और बेटे को समान अवसर मिलते है, यदि शिक्षा में भेदभाव समाप्त होता है, यदि विवाह और दहेज जैसी कुप्रथाओं को समाज स्वयं अस्वीकार करता है, तभी नारी की वास्तविक मुक्ति संभव है।

महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उल्लेखनीय कदम उठाये है। चाहे उज्ज्वला योजना के द्वारा उन्हें गैस सिलिंडर दिलाना हो, गावों में घरों और शौचालय का निर्माण हो या नारी शक्ति वंदन अधिनियम को संसद में पास कराना। आज दुनिया के सभी देश इस बात को मान रहे है की मोदी के नेतृत्व में भारत की महिलाएं बहुत आगे बढ़ रही है। खेल जगत से लेकर मनोरंजन जगत तक और राजनीति से लेकर सैन्य व ज्ञान तक में महिलाएं बड़ी भूमिका में है। बात भारतीय या अमारतीय नारी की नहीं, बल्कि उसके प्रति दृष्टिकोण की है। आवश्यकता इस दृष्टिकोण को बदलने की है, जरूरत सम्पूर्ण विश्व में नारी के प्रति उपेक्षा एवं प्रताड़ना को समाप्त करने की है। इस दिवस की सार्थकता तभी है जब महिलाओं को विकास में सहभागी ही न बनाये बल्कि उनके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौचने की वीभत्सताओं एवं त्रासदियों पर विराम लगे, ऐसा वातावरण बनाये।

नारी को भी अपने भीतर की शक्ति को पहचानना होगा। इतिहास गवाह है कि जब नारी ने अपने आत्मबल को पहचाना है, तब समाज की दिशा बदल गई है। शिक्षा और आत्मविश्वास नारी के लिए वही भूमिका निभाते हैं जो प्रकाश अंधकार के लिए करता है। आज की नारी केवल अधिकारों की मांग करने वाली नहीं, बल्कि परिवर्तन की निर्माता है। वह विज्ञान में शोध कर रही है, आकाश में विमान उड़ा रही है, संसद में कानून बना रही है, और समाज में नेतृत्व कर रही है। फिर भी हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि नारी सम्मान का प्रश्न केवल महिलाओं का नहीं, बल्कि पूरे समाज की सभ्यता का प्रश्न है। जिस समाज में नारी सुरक्षित, सम्मानित और आत्मनिर्भर होती है, वही समाज वास्तव में विकसित और मानवीय कहलाता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का वास्तविक संदेश यही है कि नारी को सम्मान देने का कार्य केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि पूरे वर्ष की सामाजिक चेतना होना चाहिए। जब समाज यह स्वीकार कर लेगा कि नारी केवल परिवार की आधारशिला नहीं, बल्कि भविष्य की निर्माता है, तब वह दिन दूर नहीं होगा जब 'नारी सशक्तिकरण' शब्द की आवश्यकता ही समाप्त हो जाएगी–क्योंकि नारी स्वाभाविक रूप से सशक्त होगी और तब शायद दुनिया सचमुच उस आदर्श को जी पाएगी, जिसे भारतीय संस्कृति ने हजारों वर्ष पूर्व पहले कहा था–"यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता।"

Created by Universal Document Converter

एनएटीएफ ने नौशेरा और राजौरी में तिरंगा रैलियां निकालीं, जमीनी स्तर पर संगठन मजबूत करने का आह्वान

राष्ट्रीय अध्यक्ष विशाल चोपड़ा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल का दौरा; जिला, तहसील और ब्लॉक स्तर की टीमें गठित करने की घोषणा

लियाकत अली खताना

राजौरी, 7 मार्चः नेशनल एंटी टेररिज्म फ्रंट (एनएटीएफ) ने शुक्रवार को पिर पंजाल क्षेत्र में राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने और जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से नौशेरा और राजौरी में तिरंगा रैलियों का आयोजन किया।

एनएटीएफ का प्रतिनिधिमंडल, जिसका नेतृत्व राष्ट्रीय अध्यक्ष विशाल चोपड़ा कर रहे थे, दिनभर नौशेरा और राजौरी का दौरा करता रहा। इस दौरान सुंदरबनी, नौशेरा और राजौरी में स्थानीय समर्थकों द्वारा उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

दौरे के दौरान अध्यक्ष के साथ वरिष्ठ एनएटीएफ सदस्य वीरेंद्र महाजन, अंशुमन चोपड़ा, अभिषेक कपूर, बिमल सभरवाल, हरीश रैना, डॉ. सोनिया वर्मा, बलदीप कौर, देव अवलीन कौर,

सिमरजोत सिंह, इंजीनियर अरशद नवाज खान, हिमांशु, संजय शर्मा, रियाज माला, यूसुफ सहित कई अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रतिनिधिमंडल ने सुंदरबनी, नौशेरा और राजौरी में आयोजित उत्साहपूर्ण तिरंगा रैलियों में भाग लिया, जहां प्रतिभागियों ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर एकता, देशभक्ति और आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता के नारे लगाए।

इस अवसर पर आयोजित सभाओं को संबोधित करते हुए एनएटीएफ नेतृत्व ने आतंकवाद के खिलाफ सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया तथा विशेष रूप से संवेदनशील सीमा जिलों में राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने का आह्वान किया।

इस मौके पर संगठन ने अपने ढांचे को विस्तार देने और स्थानीय समुदायों तक पहुंच बढ़ाने के लिए जिला, तहसील और ब्लॉक स्तर पर नई टीमों के गठन की भी घोषणा की। एनएटीएफ नेताओं के अनुसार यह दौरा शांति, सुरक्षा और राष्ट्रीय अखंडता के समर्थन में नागरिकों को संगठित करने की संगठन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

राजौरी में यातायात नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई, 52 वाहनों के चालान, 11 जब्त

सड़क सुरक्षा को मजबूत करने के लिए जिलेभर में विशेष अभियान, रू 1.14 लाख का जुर्माना वसूला गया

लियाकत अली खाताना

राजौरी, 07 मार्चः यातायात नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के लिए मोटर वाहन विभाग ने राजौरी जिले के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष जांच अभियान चलाया। यह अभियान एआरटीओ राजौरी राजेश गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

अभियान के दौरान विभाग की प्रवर्तन टीमों ने राजौरी शहर, मंजाकोट, ढांगरी तथा व्यस्त राष्ट्रीय राजमार्ग–144ए (एनएस–144ए) सहित कई स्थानों पर वाहनों की गहन जांच की।

जांच के दौरान कुल 260 वाहनों की विस्तृत जांच की गई। यातायात नियमों के उल्लंघन के विभिन्न मामलों में 52 वाहनों के चालान काटे

गए, जिन पर कुल रू1,14,000 का जुर्माना लगाया गया।

कार्रवाई के दौरान गंभीर उल्लंघनों के चलते 11 वाहनों को भी जब्त किया गया, जिनमें तीन दोपहिया वाहन, एक टेम्पो तथा सात ई–ऑटो शामिल हैं, जो यातायात नियमों का उल्लंघन करते हुए संचालित हो रहे थे।

इसके अलावा, गंभीर यातायात उल्लंघन करने वाले चालकों के दो ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन के लिए भी अनुशंसित किए गए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि यह प्रवर्तन अभियान जिले में यात्रियों और पैदल चलने वालों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा यातायात नियमों के कड़ाई से पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाया गया है। एआरटीओ राजौरी राजेश गुप्ता ने कहा कि यातायात नियमों के उल्लंघन पर अंकुश लगाने और सड़कों पर अनुशासन बनाए रखने के लिए ऐसे विशेष जांच अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

सीमा क्षेत्रों के युवाओं के लिए सेना का विशेष प्रशिक्षण कैप्सूल शुरू

भारतीय सेना में भर्ती की तैयारी हेतु 130 अभ्यर्थियों ने किया पंजीकरण

लियाकत अली खताना

राजौरी, 7 मार्चः दूरदराज के सीमावर्ती गांवों के युवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए नौशेरा ब्रिगेड ने, ऐस ऑफ स्पेड्स डिवीजन के तत्वावधान में, भारतीय सेना में भर्ती की तैयारी के लिए एवी एस्पिरेंट्स ट्रेनिंग कैप्सूल शुरू किया है। इस पहल का उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्रों के युवाओं को सेना में भर्ती के लिए मार्गदर्शन और प्रशिक्षण प्रदान करना है।

यह कार्यक्रम पात्र युवाओं में जागरूकता पैदा करने और उन्हें सशस्त्र बलों में करियर बनाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। सीमा से सटे गांवों में विशेष जागरूकता अभियान चलाकर युवाओं को इस संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया है।

इस प्रशिक्षण कैप्सूल के अंतर्गत व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया है, जिसमें शारीरिक फिटनेस प्रशिक्षण के साथ–साथ लिखित परीक्षा की तैयारी भी शामिल है, ताकि अभ्यर्थी सेना भर्ती के निर्धारित मानकों को पूरा कर सकें। अधिकारियों के अनुसार, अब तक लगभग 130 अभ्यर्थियों ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पंजीकरण कराया है।

भर्ती प्रक्रिया को और सुव्यवस्थित बनाने के लिए प्री–मेडिकल स्क्रीनिंग शिविर भी आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें उम्मीदवारों की चिकित्सीय फिटनेस का आकलन किया जाता है और

उन्हें भर्ती के लिए आवश्यक मेडिकल मानकों के बारे में मार्गदर्शन दिया जाता है।

इसके अलावा सेना अभ्यर्थियों को कॉमन एंट्रेंस एग्जामिनेशन (CEE) के लिए पंजीकरण कराने में भी सहायता प्रदान कर रही है, ताकि दूरदराज और सीमावर्ती क्षेत्रों के युवा निर्धारित समय के भीतर सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर सकें।

अधिकारियों ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य न केवल युवाओं को मार्गदर्शन और तैयारी में सहयोग देना है, बल्कि सीमावर्ती क्षेत्रों में सेना और आम जनता के बीच संबंधों को और मजबूत करना भी है। साथ ही यह पहल देश सेवा की आकांक्षा रखने वाले युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी खोल रही है।

बुरी तरह से पिटकर पड़ोसियों से माफी मांगता फिर रहा है, ट्रंप ने ईरान को किया बेइज्जत, बताया मिडिल ईस्ट का लूजर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शनिवार को दावा किया कि ईरान हार गया है और उसने मध्य पूर्व के पड़ोसियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है और माफी मांग ली है। ट्रम्प की ये टिप्पणियां ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियन द्वारा शनिवार को तनाव कम करने के संकेत देने और पड़ोसी देशों से हमलों के लिए माफी मांगने के कुछ ही घंटों बाद आई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि देश की सशस्त्र सेनाओं को निर्देश दिया गया है कि पड़ोसी देशों पर तब तक हमला न करें या मिसाइलें न दागें जब तक कि उन पर वहीं से हमला न किया जाए।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने इससे पहले कहा कि अमेरिका द्वारा बिना शर्त आत्मसमर्पण की मांग एक ऐसा ख्वाब है जिसे उन्हें अपनी कब्र तक साथ ले जाना चाहिए। राष्ट्रपति पेजेश्कियान ने यह टिप्पणी सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित एक पूर्व 'रिकॉर्डेड' संबोधन में की। उन्होंने क्षेत्रीय देशों पर ईरान के हमलों के लिए माफी भी मांगी और कहा कि तेहरान हमलों को रोक देगा। उन्होंने संकेत दिया कि ये हमले सैन्य अधिकारियों के बीच सूचनाओं के गलत संचार के कारण हुए थे। उनका यह बयान उस समय प्रसारित हुआ जब शनिवार सुबह बहरीन, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात पर बार–बार हमले किए गए।

इसके बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि ईरान द्वारा अपने पड़ोसियों पर गोलीबारी न करने का वादा केवल संयुक्त राज्य अमेरिका और इज़राइल द्वारा किए गए लगातार हमलों के कारण ही संभव हो पाया। ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर तीखे पोस्ट में कहा कि ईरान, जिसे बुरी तरह पीटा जा रहा है, ने अपने मध्य पूर्वी पड़ोसियों से माफी मांग ली है और आत्मसमर्पण कर दिया है, और वादा किया है कि वह अब उन पर गोलीबारी नहीं करेगा। यह वादा केवल अमेरिका और इजरायल के लगातार हमलों के कारण किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि ईरान मध्य पूर्व पर कब्जा करने और शासन करने की कोशिश कर रहा है और हजारों वर्षों में यह पहली बार है कि ईरान अपने आसपास के मध्य पूर्वी देशों से हारा है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने उत्तराखंड सरकार के 4 वर्ष पूर्ण होने पर हरिद्वार में रू1132 करोड़ से अधिक के विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यों का लोकार्पण और भूमि पूजन किया

उत्तराखंड में हमारी पार्टी की सरकार के 9 साल विकास के स्वर्णिम कालखंड रहे हैं

उत्तराखंड के 1900 युवाओं को आज बिना खर्ची–पर्ची पारदर्शी तरीके से पुलिस कांस्टेबल की नौकरी देकर उत्तराखंड सरकार ने सुशासन को चरितार्थ किया है

मोदी सरकार के ब।। कानून से आज उत्तराखंड में पाकिस्तान और अफगानिस्तान से आए 162 लोगों को नागरिकता दी गई, यह धार्मिक प्रताड़ना के शिकार हर शरणार्थी को नागरिकता देने के हमारे संकल्प का प्रतीक है

विपक्ष के नेताओं को जितना विरोध करना है कर लें, हम धार्मिक रूप से प्रताड़ित अल्पसंख्यक शरणार्थियों को नागरिकता देकर रहेंगे

केदारनाथ से लेकर कन्याकुमारी तक, एक–एक घुसपैठिए को हम चुन–चुनकर भारत से बाहर निकालने का काम करेंगे

उत्तराखंड में हमारी सरकार ने 10,000 से अधिक घुसपैठियों के अतिक्रमण उखाड़कर फेंक दिए और विपक्षी पार्टी ने अपनी पूरी ऊर्जा घुसपैठियों को बचाने में लगाई हुई है

यूसीसी, डेमोग्राफिक चेंज की रोकथाम में भी कारगर सिद्ध होगा, मोदी सरकार द्वारा लाया गया हाई पावर डेमोग्राफी मिशन जल्द ही अपना काम शुरू करेगा

मतदाता सूची को शुद्ध बनाकर लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए चुनाव आयोग एसआईआर कर रहा है, जिसका हमारी पार्टी पुरजोर समर्थन कर रही है

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज उत्तराखंड सरकार के 4 वर्ष पूर्ण होने पर हरिद्वार में घ1132 करोड़ से अधिक के विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यों का लोकार्पण और भूमि पूजन किया। इस अवसर पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी और केन्द्रीय मंत्री श्री अजय टम्टा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि आज न सिर्फ उत्तराखंड में मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी जी की सरकार के चार साल पूरे होने के साथ राज्य में हमारी पार्टी की सरकार के 9 साल भी पूरे हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक जमाना था जब देवभूमि उत्तराखंड अपने अधिकारों के लिए संघर्षरत था। उत्तराखंड को अलग राज्य बनाकर इसे अलग पहचान दिलाने और उत्तराखंड की संस्कृति को बचाने के लिए उत्तराखंड के युवा मैदान में उतरे थे। श्री शाह ने कहा कि उस वक्त मौजूदा विपक्षी पार्टियों ने उत्तराखंड के युवाओं पर असहनीय दमन किया था। अनेक युवाओं को गोली लगी और कई ने बलिदान दिया। रामपुर तिराहे की घटना आज भी उत्तराखंडवासी भूले नहीं हैं। गृह मंत्री ने कहा कि हमारे नेता और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने उत्तराखंड को अलग राज्य बनाने का काम किया।

श्री अमित शाह ने कहा कि जब उत्तराखंड को अलग राज्य बनाया गया, तब विपक्षी पार्टी के नेता कहते थे कि छोटे राज्य कैसे टिकेंगे और इनकी अर्थव्यवस्था कैसे चलेगी। उन्होंने कहा कि अटल जी ने उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ और झारखंड के रूप में तीन छोटे राज्य बनाए और आज तीनों राज्य विकास की राह पर आगे बढ़ चुके है। श्री शाह ने कहा कि अटल जी ने उत्तराखंड को बनाया और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने सँवारने का काम किया। उन्होंने कहा कि बीते नौ साल उत्तराखंड के विकास के नौ स्वर्णिम साल रहे है।

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि बीते चार साल में मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी जी ने राज्य की एक–एक समस्या को चुन–चुन कर समाप्त करने का रचनात्मक प्रयास किया है। इसके कारण आज उत्तराखंड विकास के रास्ते पर 'दिन दूनी रात चौगुनी' गति से बढ़ रहा है।

श्री अमित शाह ने कहा कि आज 1132 करोड़ रुपए से अधिक के विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यों का लोकार्पण और भूमि पूजन हुआ है। नई न्याय संहिताओं पर प्रदर्शनी भी आयोजित की गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में अंग्रेजों द्वारा बनाए गए 150 साल पुराने कानून को समाप्त कर नई न्याय संहिताएं बनाई गई हैं। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि नए कानून 2028 तक पूरी तरह लागू कर दिए जाएंगे। इसके बाद एफआईआर दर्ज होने से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक की न्यायिक प्रक्रिया 3 साल में पूरी हो जाएगी और समय पर न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा कि ये दुनिया की सबसे आधुनिक और सबसे वैज्ञानिक न्याय संहिताएं है।

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि आज उत्तराखंड के 1900 युवाओं को पुलिस कांस्टेबल की नौकरी मिली है। उन्होंने इन युवाओं से सवाल किया कि अगर विपक्षी पार्टी की सरकार होती तो क्या उन्हें यह नौकरी मिल पाती? श्री शाह ने कहा कि विपक्षी पार्टी की सरकार होती तो नौकरी के लिए पर्ची भी चाहिए होती और खर्ची भी लगती। लेकिन अब इनकी कोई जरूरत नहीं है। श्री शाह ने कहा कि पहाड़ पर रहने वाली किसी बूढ़ी मां का बेटा बगैर किसी सिफारिश के आज नौकरी प्राप्त कर अपने घर जा रहा है। इसे ही सुशासन कहते है। गृह मंत्री ने यह भी कहा कि राज्य सरकार द्वारा बनाए गए नकल विरोधी कानून ने रोजगार के क्षेत्र में पारदर्शिता लाने का काम किया है।

श्री अमित शाह ने कहा कि आज पाकिस्तान और अफगानिस्तान से आए 162 लोगों को भारत की नागरिकता दी गई। उन्होंने कहा कि जब वे सीएए कानून लेकर आए थे, तब विपक्षी पार्टियों के नेताओं ने संसद में खूब हो–हल्ला किया था।श्री शाह ने कहा कि वे आज फिर से कहना चाहते हैं कि बांग्लादेश, पाकिस्तान, अफगानिस्तान से आए हिन्दू, सिख, बौद्ध और जैन शरणार्थियों का इस देश पर उतना ही अधिकार है जितना इस देश पर यहाँ के नागरिकों का अधिकार है। उन्होंने कहा कि तुष्टीकरण की राजनीति के कारण आजादी से लेकर अब तक इन शरणार्थियों को नागरिकता से वंचित रखा गया। ढेर सारी यातनाएं झेलकर वे हमारे देश में शरणार्थी बनकर आए है। गृह मंत्री ने सवाल किया कि ये शरणार्थी अपना धर्म और अपने परिवारों की महिलाओं का सम्मान बचाने के लिए आए हैं, ऐसे में क्या भारत उन्हें नागरिकता नहीं देगा? उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेताओं को जितना विरोध करना है, कर लें, लेकिन हम इन शरणार्थियों को नागरिकता देकर रहेंगे।

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि 2024 के आम चुनाव में मोदी जी लगातार तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बने। छह दशक के बाद ऐसा संभव हो सका। फिर 2024 में ही ओडिशा में पहली बार हमारी पार्टी का मुख्यमंत्री बना। हरियाणा में हमने हैट्रिक बनाई। महाराष्ट्र में हमने हैट्रिक बनाई। फिर 2025 में दिल्ली में सत्ताधारी पार्टी का सूपड़ा साफ हो गया। बिहार में हमने दो–तिहाई बहुमत से सरकार बनाई। केरल के तिरुवनंतपुरम में पहली बार हमारी पार्टी जीती। महाराष्ट्र में भी हमने विजय प्राप्त की। उन्होंने कहा कि 2026 में पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में हमारी सरकार बनने जा रही है। श्री शाह ने कहा कि 2027 में जीत की शुरुआत देवभूमि की जनता को करनी है और फिर से हमारी पार्टी की सरकार बनानी है। उन्होंने कहा कि 2027 में हरिद्वार में कुंभ का आयोजन होना है, जिसके लिए केन्द्र द्वारा राज्य सरकार को बड़ी राशि उपलब्ध कराई गई है। श्री शाह ने कहा कि हरिद्वार का कुंभ पूरे भारत की शान है।

श्री अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने हमारी संस्कृति से जुड़े और कई साल से लंबित पड़े काम पूरे कर दिए हैं। धारा 370 समाप्त कर दिया। हिंदू शरणार्थियों के लिए सीएए लेकर आए। 550 साल से हिंदू समाज जिसकी राह देख रहा था, वह रामलला का मंदिर बनाने का काम भी हमने पूरा कर दिया। केदारनाथ धाम और बद्रीनाथ धाम में पूरे शहर की पुनर्रचना कराई। महाकाल लोक बनाया और औरंगजेब द्वारा तोड़ा गया काशी विश्वनाथ का कॉरिडोर भी मोदी जी ने बनाया।

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि मोदी जी ने सीमांत गांव को भारत के पहले गांव का सम्मान दिया। उन्होंने कहा कि वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के माध्यम से हमने सीमांत गांवों का विकास कर वहां पलायन रोकने की वैज्ञानिक योजना बनाई। इस कार्यक्रम का सबसे बड़ा फायदा आने वाले दिनों में देवभूमि उत्तराखंड को होने वाला है। उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टी अपनी पूरी ऊर्जा घुसपैठियों को बचाने में लगा रही है। उत्तराखंड में मुख्यमंत्री धामी जी ने लगभग 10,000 से ज्यादा अतिक्रमण उखाड़ कर फेंक दिए। उन्होंने कहा कि पूरे देश में जहां–जहां घुसपैठिये है, हम केदारनाथ धाम से लेकर कन्याकुमारी तक एक–एक घुसपैठिये को चुन–चुन कर भारत से बाहर निकालने का काम करेंगे। विपक्ष के नेता को जितना विरोध करना है, कर लें। वह एसआईआर का भी विरोध कर रहे हैं। उन्हें हर चीज में नकारात्मकता दिखती है। श्री शाह ने कहा कि उनकी पार्टी चुनाव आयोग के एसआईआर कार्यक्रम का पुरजोर समर्थन कर रही है, क्योंकि जिस देश में लोकतंत्र को संभालने वाली मूल इकाई मतदाता सूची शुद्ध न हो, उस देश का लोकतंत्र कभी सलामत नहीं रह सकता।

श्री अमित शाह ने कहा कि विपक्षी पार्टी की सरकार के समय भ्रष्टाचार के ढेरों आरोप लगे। स्टिंग प्रकरण, दलितों की छात्रवृत्ति का घोटाला, कमीशन एजेंटों से भरा हुआ सेक्रेटेरिएट, शराब नीति का स्टिंग कांड, कुमाऊँ खाद्यान्न घोटाला जैसे कई आरोप लगे। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में 9 साल से हमारी सरकार है, लेकिन हमारे विरोधी भी हमारी सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा सकते। श्री शाह ने कहा कि हमने पारदर्शी तरीके से सरकार चलाई है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि देश से तुष्टीकरण की नीति को समाप्त करने की दिशा में कदम उठाते हुए उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी जी यहां यूनिफॉर्म सिविल कोड लेकर आए हैं। उन्होंने कहा कि इसके तहत नागरिक का धर्म कोई भी हो, उसे एक ही कानून के तहत देश में रहना होगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड देश भर में यूसीसी लागू करने वाला पहला राज्य बना है। श्री शाह ने कहा कि यूसीसी ही जनसांख्यिकी में हो रही अप्राकृतिक वृद्धि को रोकने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने जनसांख्यिकी में हो रहे बदलाव को रोकने के लिए एक हाई पावर कमेटी बनाने का निर्णय किया है। कुछ ही दिन में वह कमेटी अपना काम शुरू कर देगी।

श्री अमित शाह ने कहा कि विपक्षी पार्टी ने केन्द्र में अपनी सरकार के समय 2004 से 2014 तक उत्तराखंड को अनुदान के तौर पर सिर्फ छ4,000 करोड़ दिए, वहीं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 2014 से 2024 तक राज्य को घ1 लाख 87 हजार करोड़ देने का काम किया। इसके अलावा, केदारनाथ, बद्रीनाथ, यमुनोत्री, गंगोत्री यानि 900 किलोमीटर के चार धाम महामार्ग के लिए घ12 हजार करोड़, दिल्ली–देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर के लिए छ8 हजार करोड़, छ हजार करोड़ से उत्तराखंड में 30 राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण, घ2200 करोड़ से टनकपुर में 8 मार्गों के निर्माण, नजीबाबाद, अफजलगढ़ बाईपास, पुरकाजी, लक्सर और हरिद्वार रोड के नवीनीकरण के लिए भी धनराशि दी।

गृह मंत्री ने कहा कि राज्य का बजट विकास का द्योतक होता है। 2009 से 2014 के दौरान उत्तराखंड का औसत रेल बजट घ187 करोड़ था, जबकि पिछले नौ साल में यह बढ़कर लगभग घ4770 करोड़ हो चुका है। यह बताता है कि उत्तराखंड कितना आगे बढ़ा है। घ26000 करोड़ की लागत से तीन नए रेलवे प्रोजेक्ट दिए गए। 303 किलोमीटर रेलमार्ग का विद्युतीकरण हुआ। 147 करोड़ रुपए से 11 अमृत स्टेशन विकसित हो रहे हैं। 100 फ्लाईओवर और अंडर ब्रिज बने हैं। सबसे बड़ी रेल सुरंग (ऋषिकेश से कर्णप्रयाग) बनाने का काम हुआ है। कई सारे हेलीपैड बने हैं। देहरादून एयरपोर्ट को आधुनिक किया गया है। एग्रीकल्चर और मत्स्य पालन के लिए ढेर सारा काम हुआ है। पर्वतमाला रोप में विकास कार्यक्रम में घ2400 करोड़ दिए गए है। उन्होंने कहा कि 2014 में उत्तराखंड की प्रति व्यक्ति आय घ1,80,000 थी, जबकि अब यह बढ़कर घ2,74,000 हो गई है। उत्तराखंड की जीएसडीपी घ2,22,000 करोड़ थी जो बढ़कर घ3,82,000 करोड़ हो चुकी है। लगभग 10 लाख से अधिक किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना का लाभ मिला। 14 लाख से अधिक घरों को जल जीवन मिशन का फायदा मिला। 62 लाख लोगों को छ लाख तक के मुफ्त इलाज का फायदा मिला। 5,80,000 घरों में शौचालय बना। 60 लाख लोगों को प्रतिमाह प्रति व्यक्ति 5 किलो अनाज मुफ्त में मिलता है और 5,33,000 माताओं–बहनों को गैस सिलेंडर दिया गया।

श्री अमित शाह ने कहा कि एक ओर भ्रष्टाचार करने वाली, अव्यवस्था फैलाने वाली और उत्तराखंड के निर्माण का विरोध करने वाली विपक्षी पार्टी है और दूसरी तरफ चार धाम के प्रति अनन्य श्रद्धा से चार धाम यात्रियों की संख्या में तीन गुना वृद्धि करने वाली, उत्तराखंड के हर कस्बे को रोड से जोड़ने का प्रयास करने वाली, युवाओं को बिना खर्ची–बिना पर्ची नौकरी देने वाली, कॉमन सिविल कोड लाने वाली, सीएए के माध्यम से नागरिकता देने वाली, और घुसपैठियों को चुन–चुन कर निकालने का संकल्प लेने वाली सरकार है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की जनता को इन विषयों पर दो पार्टियों में से किसी एक का चयन करना है। श्री शाह ने कहा कि विपक्षी पार्टी अपने नेता के नेतृत्व में पूर्णतया बिखर चुकी है। उन्होंने संसद में चर्चा करने की जगह हो–हल्ला कर संसद न चलने देने की नीति अपनाई। ऐसी पार्टी देवभूमि का विकास नहीं कर सकती।

Created by Universal Document Converter

खज्जियार पर्यटन स्थल को ऐसे ही नहीं कहा जाता है 'भारत का मिनी स्विट्ज़रलैंड'

प्रीटी

खज्जियार एक गोलाकार हरे मैदान के रूप में फैला हुआ है,

जिसके बीचों–बीच एक झील स्थित है। चारों ओर ऊँचे–ऊँचे पेड़ और दूर तक फैले पहाड़ इसकी शोभा को और भी बढ़ाते है। यहाँ का वातावरण इतना शांत और स्वच्छ होता है कि यहाँ आकर हर व्यक्ति खुद को प्रकृति के और करीब महसूस करता है।

हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में स्थित खज्जियार एक छोटा लेकिन अत्यंत मनमोहक पर्यटन स्थल है, जिसे अक्सर भारत का मिनी स्विट्ज़रलैंड कहा जाता है। समुद्र तल से लगभग 6,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित यह स्थान देवदार और चीड़ के घने जंगलों, हरे–भरे घास के मैदानों और एक सुंदर झील के लिए प्रसिद्ध है। इसकी प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण इसे पर्यटकों के बीच अत्यंत लोकप्रिय बनाते हैं।

खज्जियार का सौंदर्य

खज्जियार एक गोलाकार हरे मैदान के रूप में फैला हुआ है, जिसके बीचों–बीच एक झील स्थित है। चारों ओर ऊँचे–ऊँचे पेड़ और दूर तक फैले पहाड़ इसकी शोभा को और भी बढ़ाते हैं। यहाँ का वातावरण इतना शांत और स्वच्छ होता है कि यहाँ आकर हर व्यक्ति खुद को प्रकृति के और करीब महसूस करता है।

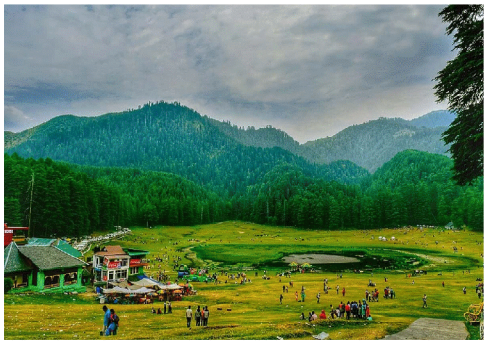

क्यों कहा जाता है भारत का मिनी स्विट्ज़रलैंड?

1992 में स्विट्ज़रलैंड के राजदूत विल्ली ब्लेजर ने खज्जियार की प्राकृतिक समानता को देखते हुए इसे मिनी स्विट्ज़रलैंड की उपाधि दी थी। उन्होंने यहाँ एक पत्थर भी स्थापित किया जो यह दर्शाता है कि खज्जियार स्विट्ज़रलैंड से कितनी दूरी पर स्थित है।

प्रमुख आकर्षण

1. खज्जियार झील

खज्जियार के केंद्र में स्थित यह छोटी सी झील यहाँ का प्रमुख आकर्षण है। झील के चारों ओर फैला मैदान पिकनिक, फोटोग्राफी और शांत समय बिताने के लिए आदर्श स्थान है।

2. खज्जी नाग मंदिर

यह प्राचीन मंदिर 12वीं शताब्दी में निर्मित हुआ था और भगवान खज्जी नाग को समर्पित है। यह मंदिर लकड़ी की नक्काशी और पौराणिक कथाओं से जुड़ी मूर्तियों के लिए प्रसिद्ध है।

3. एडवेंचर स्पोर्ट्स

खज्जियार में पैराग्लाइडिंग, जोरबिंग (वतइपदह), घुड़सवारी और ट्रेकिंग जैसी गतिविधियाँ भी की जा सकती है, जो रोमांच प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र है।

4. खज्जियार वन्यजीव अभयारण्य

प्राकृतिक प्रेमियों के लिए यह अभयारण्य एक शांत और सुरम्य स्थल है जहाँ वन्य जीवों और पक्षियों को नजदीक से देखा जा सकता है।

खज्जियार में करने योग्य गतिविधियाँ

– प्राकृतिक दृश्यावली की फोटोग्राफी

– खुले मैदानों में पिकनिक और परिवार के साथ समय बिताना

– एडवेंचर खेलों का आनंद लेना

– मंदिरों और सांस्कृतिक स्थलों की यात्रा

– आसपास के ट्रेकिंग मार्गों की खोज

यात्रा का सर्वोत्तम समय

मार्च से जून–गर्मियों में सुहावने मौसम और हरियाली का आनंद लेने के लिए।

सितंबर से नवंबर – साफ आसमान और शांत वातावरण के लिए।

दिसंबर से फरवरी – बर्फबारी देखने और ठंड का आनंद लेने वालों के लिए आदर्श समय।

कैसे पहुँचे?

निकटतम शहर: डलहौजी (लगभग 22 किमी)

रेल मागर्रू पठानकोट रेलवे स्टेशन, जहाँ से टैक्सी या बस द्वारा खज्जियार पहुँचा जा सकता है।

हवाई मागर्रू निकटतम हवाई अड्डा गग्गल (कांगड़ा) है, जो लगभग 120 किमी दूर है।

सड़क मागर्रू डलहौजी, चंबा और धर्मशाला से बस और टैक्सी सेवाएं उपलब्ध हैं।

खज्जियार उन यात्रियों के लिए स्वर्ग समान है जो प्रकृति की गोद में सुकून के पल बिताना चाहते हैं। यहाँ की शांत वादियाँ, हरे मैदान और पवित्र स्थल आत्मा को नई ऊर्जा प्रदान करते हैं। चाहे आप फोटोग्राफी के शौकीन हों, रोमांच के प्रेमी हों या शांति की तलाश में हों कृ खज्जियार हर किसी के लिए एक आदर्श गंतव्य है।

प्रकृति, इंजीनियरिंग और पर्यटन का अद्भुत संगम है झारखंड का मैथन डैम

प्रीटी

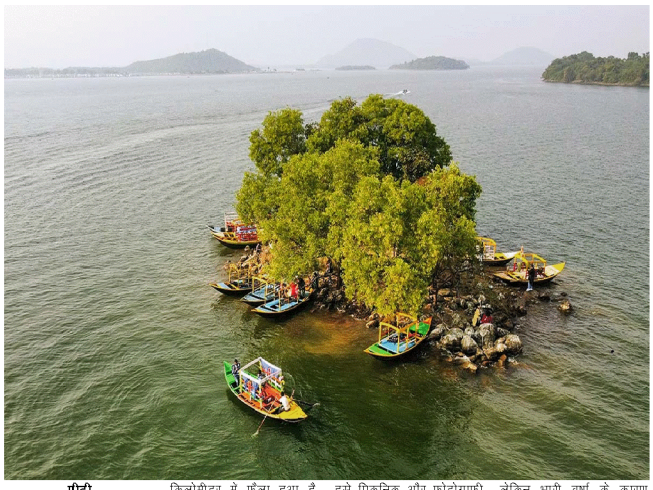

मैथन डैम, झारखंड के धनबाद जिले में स्थित एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता, इंजीनियरिंग कौशल और शांत वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। यह डैम बराकर नदी पर स्थित है और झारखंड तथा पश्चिम बंगाल की सीमा पर स्थित है।

ऐतिहासिक और तकनीकी विशेषताएँ

निर्माण और उद्देश्यरू मैथन डैम का निर्माण 1953 से 1957 के बीच हुआ था और इसका उद्देश्य बाढ़ नियंत्रण, सिंचाई और विद्युत उत्पादन था। यह डैम भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के स्वप्नों में से एक था।

आकार और क्षमता: डैम की लंबाई लगभग 4,789 मीटर और ऊँचाई 50 मीटर है। इसका जलाशय 65 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है, जो मैथन झील के नाम से जाना जाता है।

विद्युत उत्पादन: मैथन डैम में एशिया का पहला भूमिगत जलविद्युत संयंत्र स्थित है, जो 60 मेगावाट की क्षमता से बिजली उत्पन्न करता है।

पर्यटन आकर्षण

मैथन झील: झील की शांत जलराशि और हरे–भरे परिवेश इसे नौका विहार, मछली पकड़ने और पक्षी अवलोकन के लिए आदर्श बनाते हैं।

डियर पार्क: डैम के पास स्थित डियर पार्क में पर्यटक हिरणों को प्राकृतिक वातावरण में देख सकते हैं।

कल्याणेश्वरी मंदिर: डैम से लगभग 6 किलोमीटर दूर स्थित यह मंदिर माँ काली को समर्पित है और धार्मिक आस्था का केंद्र है।

पिकनिक और फोटोग्राफी: मैथन डैम का सुंदर परिदृश्य इसे पिकनिक और फोटोग्राफी के लिए उपयुक्त स्थान बनाता है, विशेषकर सूर्यास्त के समय।

कैसे पहुँचें

सड़क मार्ग: मैथन डैम, धनबाद से लगभग 48 किलोमीटर और आसनसोल से 24 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

रेल मार्ग: निकटतम रेलवे स्टेशन बराकर है, जो डैम से लगभग 8 किलोमीटर दूर है।

वायु मार्ग: निकटतम हवाई अड्डा रांची में स्थित है, जो डैम से लगभग 194 किलोमीटर दूर है।

यात्रा का सर्वोत्तम समय

मैथन डैम की यात्रा के लिए अक्टूबर से मार्च का समय सबसे उपयुक्त है, जब मौसम सुखद और ठंडा होता है। मानसून के दौरान (जुलाई से सितंबर) झील और आसपास का क्षेत्र हरे–भरे हो जाते है, लेकिन भारी वर्षा के कारण फिसलन और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ हो सकती है।

यात्रा सुझाव

डैम क्षेत्र में प्रवेश के लिए अनुमति आवश्यक हो सकती हैय यात्रा से पहले स्थानीय अधिकारियों से जानकारी प्राप्त करें।

डैम के किनारे फिसलन हो सकती हैय उचित जूते पहनें और बच्चों पर विशेष ध्यान दें।

स्थानीय संस्कृति और पर्यावरण का सम्मान करेंय कचरा न फैलाएँ और वन्यजीवों को परेशान न करें।

मैथन डैम न केवल झारखंड का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, बल्कि यह भारत के इंजीनियरिंग कौशल और प्राकृतिक सौंदर्य का भी प्रतीक है। यदि आप प्रकृति, इतिहास और रोमांच का संगम अनुभव करना चाहते है, तो मैथन डैम की यात्रा अवश्य करें।

कुत्ते, इंसान और रेबीज (व्यंग्य)

संतोष उत्सुक

इंसान कुत्तों पर मेहरबान हैं और कुत्ते इंसानों पर। इंसान चाहे इंसान और इंसानियत की परवाह न कर पाएं लेकिन अपनी सुरक्षा के लिए ही नहीं जानवर प्रेमी का ठप्पा लगवाने के लिए कुत्ते पाल रहा है। उन्हें सुबह या शाम घुमाने ले जाता है और जैसे उसे खुद भी हर कहीं मूत्र निवृत होने की पारम्परिक आदत है उसी तरह से कुत्तों से करवाता है। उसे जानवरों से प्यार जरूर दिखाना है लेकिन उनका मल उठाने में उसे शर्म आती है। इस मामले में वह विदेशियों की नकल नहीं कर सकता।

इंसान ने इंसान से मिलना जुलना, बात करना कम कर दिया है लेकिन आवारा कुत्तों को अपना लिया है। आवारा कुत्ते मस्त हैं। उन्हें रोजाना खाना मिल रहा है। इंसान के पड़ोसी पस्त हैं, उन्हें सुबह से शाम तक बदबू, कुत्तों के मल मूत्र, उनके भौंकने से वाबस्ता होना पड़ रहा है। कानून बेचारा परेशान है। नगरपालिका के पास शेल्टर बनाने के लिए जमीन नहीं है। बजट भी नहीं है। उनके पास शहर की सफाई के लिए पैसे नहीं है। इंसान को कुत्तों से बचाने के लिए कहां होगा।

पशुपालन विभाग कई बार मेहरबान हो जाता है। उनके पास बजट आता है जिससे उन्होंने एंटी रेबीज इंजेक्शन उपलब्ध करवा दिए हैं। अखबार में समझाया है कि कुत्ता काट ले तो सबसे पहले क्या करें। वे यही कर सकते थे। आवारा कुत्तों या उनके प्रेमियों को उचित कानूनी व्यवहार तो वे भी नहीं सिखा सकते। नगरपालिका वालों के पास दूसरे ज्यादा जरूरी काम हैं तभी तो पशु पालन विभाग ने आम जनता से अपील की है कि अपने आसपास कहीं भी कोई लावारिस कुत्ता देखें तो घबराएं नहीं, निकवर्ती अस्पताल या औषधालय में जाकर निशुल्क डोज लगवा सकते हैं। बढ़िया सार्वजनिक सुविधा है, आम जनता को कुत्ता काटे तो एंटी रेबीज लगवाना ही है और लावारिस कुत्तों को भी जनता ही एंटी रेबीज लगवाए।

मान लीजिए सुबह सुबह घूमने जा रहे हैं, आवारा कुत्ता सामने से आ रहा है, आप उससे बच निकलना चाहते हैं, मगर वह कहता है कि मुझे आपको काटना है, तो क्या इतनी मोहलत कटवाने वाले के पास होगी कि पूछ ले, प्रिय कुत्ते, आप किसी बीमारी या रेबीज से पीड़ित तो नहीं। उससे कहें कि चलिए आपको पशु औषधालय ले चलता हूं जो अभी खुला नहीं होगा। आवारा कुत्ते को अगर आप पसंद आ गए हो तो काट ही लेगा, इशारों में भी यह नहीं कहेगा कि अब आप एंटी रेबीज लगवा लेना। उस वफादार जानवर को क्या पता कि पालतू कुत्तों के मालिक भी अपने कुत्तों की वेक्सीनेशन करवाने में लापरवाही बरतते हैं।

सरकार के पास इंसान नहीं संभलते जानवरों को कैसे संभाले। यह तो सृष्टि रचयिता की ही गलती है कि इतने ज्यादा बंदर और कुत्ते पैदा करवा दिए। इनकी नसबंदी करना मुश्किल काम है तभी तो इस काम के लिए आए बजट की ही नसबंदी कर दी जाती है।

प्रशासन तो सोने के लिए होता है। बरसात हो या बर्फ का गिरना, प्रशासन का ध्वस्त होना निश्चित है। कुत्ते द्वारा आम आदमी को काटना तो छोटी सी घटना है। हां, किसी महंगी कुर्सी पर विराजने वाले अफसर को किसी भी किस्म का कुत्ता काट ले तो कार्रवाई की शामत आ सकती है।

भारत की विरासत को करीब से देखने के लिए जरूर घूमें बिहार की ये जगहें, टूरिस्ट की नहीं मिलेगी भीड़

अनन्या मिश्रा

जब भी भारत में विरासत की बात की जाती है, तो सबसे पहले राजस्थान के किले और दिल्ली के फेमस स्मारकों की चर्चा सबसे ज्यादा होती है। लेकिन इन सबके बीच बिहार लोगों के दिमाग से निकल जाता है। अगर आप भी भारत की विरासत को देखने और जानने में दिलचस्पी रखते हैं, तो आपको बिहार जरूर घूमना चाहिए। बिहार की प्राचीन भूमि सिर्फ साम्राज्यों और ज्ञानोदय की जन्मस्थली नहीं, बल्कि आपको यहां पर ऐसी चीजें देखने को मिलेंगी, जो सदियों से स्थापित हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बिहार के उन विरासत स्थलों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके बारे में काफी कम लोग जानते हैं।

तेलहरा

तेलहरा बिहार में नालंदा जिले के एकंगरसराय प्रखंड का गांव है। यह प्राचीन भारत में एक बौद्ध मठ का स्थल हुआ करता था, जोकि पहली शताब्दी ईस्वी पूर्व का है। लेकिन इस जगह के बारे में भी बहुत कम लोगों को जानकारी है। भारत के इतिहास से जुड़ी कई चीजों को खोजने के लिए इस स्थान पर खुदाई चल रही है, ऐसे में आप भी यहां पर जा सकते हैं। इसके साथ ही बौद्ध मठ स्थल जाना न भूलें। यहां पर ध्यान कक्ष और प्रार्थना कक्ष में आपको काफी शांति मिलेगी।

रोहतासगढ़ किला

रोहतास जिले में एक पहाड़ी की चोटी पर रोहतासगढ़ किला स्थित है। यह किला काफी प्राचीन है, जिस कारण इसको भूतिया भी कहा जाता है। रोहतासगढ़ किले का निर्माण शेरशाह शूरी ने कराया था। यह बेहद विशाल किला है और रहस्यमय चीजों से भरा हुआ है। हालांकि इस किले तक पहुंचने के लिए

आपको थोड़ी मेहनत जरूर करनी पड़ेगी। इस किले तक पहुंचने वाली चढ़ाई आपको थका देगी। जिन लोगों को घूमने–फिरने और एडवेंचर का शौक है, उनके लिए यह जगह परफेक्ट है। आपको यहां पर अकेले जाने की सलाह नहीं दी जाती है, क्योंकि स्थानीय लोग यहां पर भूत–प्रेत होने का दावा करते हैं।

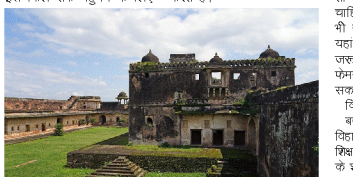

केसरिया स्तूप

बिहार में मौजूद केसरिया स्तूप के बारे में काफी कम लोग जानते हैं। यह स्तूप 10 मंजिला अपार्टमेंट बिल्डिंग से भी ज्यादा ऊंचा है। 104 फीट ऊंचे इस स्तूप को दुनिया के सबसे बड़े बौद्ध स्तूपों में से एक है। अगर आप भारत के विरासत स्थलों को देखने में दिलचस्पी रखते हैं, तो आपको यहां पर जरूर आना चाहिए। यहां पर आपको भीड़ भी नहीं मिलेगी, लेकिन आपको यहां पर गहरी आध्यात्मिक शांति जरूर मिलेगी, जोकि अन्य फेमस स्थानों पर नहीं मिल सकती है।

विक्रमशिला

बता दें कि विक्रमशिला महाविहार भारत का एक फेमस शिक्षा–केंद्र था। यह प्राचीन भारत के शीर्ष बौद्ध विश्वविद्यालयों में से एक था। हालांकि अब यह विश्वविद्यालय सिर्फ एक खंडहर के रूप में दिखाई देता है। वहीं कुछ समय पहले पीएम मोदी ने विक्रमशिला विश्वविद्यालय के उद्धार की बात की थी। ऐसे में अगर आप प्राचीन बौद्ध विश्वविद्यालय देखने के इच्छुक हैं, तो आप यहां पर आ सकते हैं।

रैशेज नहीं हैं, लेकिन फिर भी हो रही खुजली तो लिवर से जुड़ी दिक्कत का हो सकता है संकेत

अनन्या मिश्रा

गर्मियों में स्किन पर दाने और रैशेज होना आम बात है। वहीं हमारी लाइफस्टाइल भी कुछ ऐसी है कि ऐसा होना तय होता है। जब दाने निकल आते हैं, तो बार–बार खुजली होती रहती है। वहीं बार–बार हाथ चेहरे पर जाता है। वहीं अगर आपकी स्किन पर लगातार खुजली हो रही है, लेकिन कहीं लालिमा, दाने या फिर रैशेज दिखाई नहीं दे रहे हैं। तो यह एक चेतावनी की ओर संकेत हो सकता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि बिना रैशेज वाली खुजली को नजरअंदाज क्यों नहीं करना चाहिए। साथ ही यह भी जानेंगे कि यह लिवर में गड़बड़ी की ओर क्या इशारा करती है।

जानिए खुजली और लिवर का कनेक्शन

हेल्थ एक्सपर्ट की मानें, तो लिवर हमारे शरीर का महत्वपूर्ण अंग होता है। लिवर पित्त बनाने, खून को साफ करने, वसा और प्रोटीन को मेटाबोलाइज्ड करने का काम करता है। जब लिवर में किसी तरह की समस्या आती है, खासकर पित्त प्रवाह बाधित होने पर शरीर में पदार्थ जमने लगते हैं। त्वचा के नीचे पित्त या पित्त से संबंधित अन्य यौगिकों का जमा होने के कारण खुजली हो सकती है। वहीं जब यह संकेत मिलता है कि लिवर ठीक से काम नहीं कर रहा है, जब उसको डिटॉक्स करने में समस्या आती है।

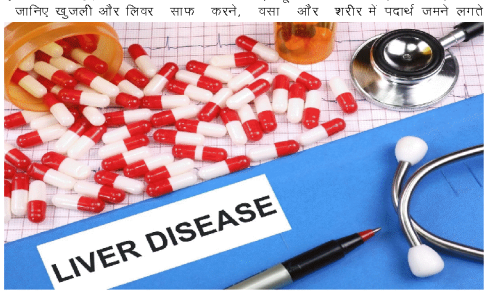

ऐसे डिटॉक्स करें लिवर

लिवर को डिटॉक्स करने के लिए हाइड्रेशन का पूरा ध्यान रखना चाहिए। इसलिए दिन भर में कम से कम 8 से 10 गिलास पानी जरूर पिएं।

वहीं आप टमाटर का भी सेवन कर सकते हैं। क्योंकि टमाटर में भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है, जोकि लिवर को डिटॉक्स करने में मदद करता है।

हल्दी का सेवन करना चाहिए। आप सप्ताह में एक बार पानी या दूध में हल्दी डालकर पिएं। क्योंकि हल्दी भी लिवर डिटॉक्स को सपोर्ट करता है।

Created by Universal Document Converter

सीएसआईआर– एनआईएससीपीआर ने "परंपरागत चिकित्सा: प्रलेखन, प्रमाणीकरण और संप्रेषण" विषय पर राष्ट्रीय क्षमता विकास कार्यशाला का आयोजन किया

नई दिल्ली। सीएसआईआर–राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं नीति अनुसंधान संस्थान (एनआईएससीपीआर) ने आईसीएमआरदृराष्ट्रीय पारंपरिक चिकित्सा संस्थान (एनआईटीएम) के सहयोग से 06 मार्च 2026 को बेलगावी स्थित राष्ट्रीय पारंपरिक चिकित्सा संस्थान (एनआईटीएम) में राष्ट्रीय पहल स्वास्तिक (वैज्ञानिक रूप से सत्यापित सामाजिक पारंपरिक ज्ञान) के अंतर्गत "ट्रेडिशनल मेडिसिन: डॉक्यूमेंटेशन, वैलिडेशन एंड कम्युनिकेशन" (पारंपरिक चिकित्सा: प्रलेखन, प्रमाणीकरण और संप्रेषण) विषय पर राष्ट्रीय क्षमता विकास कार्यशाला का आयोजन किया। 60 से अधिक प्रतिभागियों ने बेलगावी तथा उसके आसपास स्थित 10 विभिन्न संस्थानों से पंजीकरण कराया और कार्यशाला में सक्रिय रूप से भाग लिया।

डॉ. पद्मा गुरमेट, पद्म श्री तथा निदेशक, राष्ट्रीय सोवा रिग्पा संस्थान (एनआईएसआर); प्रो. रंजना अग्रवाल, उत्कृष्ट वैज्ञानिक, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) तथा पूर्व निदेशक, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषददृराष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं नीति अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर – एनआईएससीपीआर); डॉ. सुबर्णा रॉय, निदेशक, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषददृराष्ट्रीय पारंपरिक चिकित्सा संस्थान (आईसीएमआर – एनआईटीएम); तथा डॉ. गीता वाणी रायसम, निदेशक, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषददृराष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं नीति अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर – एनआईएससीपीआर), ने उद्घाटन समारोह की शोभा बढ़ाई। डॉ. गीता वाणी रायसम ने इस आयोजन में ऑनलाइन सहभागिता की।

कार्यक्रम का आरंभ भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषददृराष्ट्रीय पारंपरिक चिकित्सा संस्थान (आईसीएमआर – एनआईटीएम) के वैज्ञानिक 'एफ' डॉ. हर्ष हेगड़े के स्वागत भाषण से हुआ। इसके पश्चात डॉ. सुबर्णा रॉय द्वारा परिचयात्मक वक्तव्य प्रस्तुत किया गया। उन्होंने पारंपरिक चिकित्सा में हो रहे अनुसंधान को विभिन्न मंचों के माध्यम से समाज तक प्रभावी रूप से संप्रेषित करने के महत्व पर बल दिया तथा यह भी आग्रह किया कि अपने करिअर के किसी भी चरण में कार्यरत शोधकर्ताओं को विज्ञान संचार की बारीकियों से सुसज्जित होना चाहिए।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. पद्मा गुरमेट ने सोवा रिग्पा पर एक विचारोत्तेजक व्याख्यान दिया तथा राष्ट्रीय सोवा रिग्पा संस्थान (एनआईएसआर) की स्थापना के सफ़र पर विस्तार से चर्चा की। अपने वक्तव्य में उन्होंने पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों, विशेषकर सोवा–रिग्पा के महत्व, आयुर्वेद के साथ इसकी अंतर्संबद्धता तथा पारंपरिक औषधीय ज्ञान के प्रलेखन, प्रमाणीकरण और संप्रेषण की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे समकालीन चिकित्सा प्रणाली में इसकी बेहतर दृश्यता और एकीकरण सुनिश्चित किया जा सके।

प्रो. रंजना अग्रवाल ने एक दिलचस्प्प मुख्य वक्तव्य प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने भारतीय पारंपरिक ज्ञान प्रणाली का एक समग्र अवलोकन प्रदान किया। वेदों और पंचकोश की अवधारणा पर विस्तार से विचार करते हुए तथा भारत की विभिन्न पारंपरिक ज्ञान परंपराओं और पद्धतियों से अनेक उदाहरण प्रस्तुत करते हुए उन्होंने ऐसे ज्ञान के प्रमाणीकरण, आधुनिक विज्ञान के साथ उसके अभिसरण तथा उसे समाज तक प्रभावी रूप से संप्रेषित करने के महत्व पर बल दिया। उद्घाटन सत्र का समापन वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषददृराष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं नीति अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर – एनआईएससीपीआर) की प्रधान वैज्ञानिक एवं समन्वयक, स्वास्तिक, डॉ. चारु लता द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

कार्यशाला का प्रथम तकनीकी सत्र "इंडिया'ज़ ट्रेडिशनल मेडिसिन हेरिटेज: फ्रॉम प्रोटेक्शन टू परपिचुएशन" (भारत की पारंपरिक चिकित्सा विरासत: संरक्षण से संवर्धन तक) विषय पर केंद्रित था, जिसमें भारत की समृद्ध और विविध पारंपरिक चिकित्सा विरासत तथा वर्तमान समय में उसकी निरंतरता पर विचार किया गया। इसका आरंभ प्रो. पुलोक मुखर्जी के पूर्णाधिवेशन व्याख्यान से हुआ। उन्होंने पारंपरिक चिकित्सा के अनुवाद, तंत्र–आधारित नृऔषधिविज्ञान तथा सतत् जैव संसाधनों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने स्थानीय स्वास्थ्य परंपराओं को महत्व देने, विनियामक दिशा–निर्देशों और नैतिक विचारों को ध्यान में रखते हुए नृऔषधिविज्ञान–आधारित उत्पादों के विकास तथा चिरस्थ्थायी जैव संसाधनों के उपयोग पर बल दिया।

वैद्य पवनकुमार रमेश गोदटवार, विश्व स्वास्थ्य संगठन केंद्र, नई दिल्ली ने विश्व–स्तर पर समग्र स्वास्थ्य के संबंध में डब्ल्यूएचओ के दृष्टिकोण पर एक अत्यंत विचारोत्तेजक पूर्णाधिवेशन व्याख्यान दिया। उन्होंने वैश्विक स्तर पर विशाल जनसंख्या के लिए सुलभ और सतत् स्वास्थ्य सुनिश्चित करने हेतु पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र में विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा आरंभ की गई अनुसंधान प्राथमिकता निर्धारण प्रक्रियाओं पर प्रकाश डाला।

द्वितीय तकनीकी सत्र में डॉ. चारु लता ने भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों पर एक विचारोत्तेजक व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने राष्ट्रीय पहल स्वास्तिक के अंतर्गत अपनाई जाने वाली व्यवस्थित प्रक्रिया का भी उल्लेख किया, जिसमें पारंपरिक पद्धतियों की पहचान और प्रमाणीकरण से लेकर उनके प्रलेखन तथा सोशल मीडिया मंचों के माध्यम से उन्हें जनसामान्य तक संप्रेषित करने तक की प्रक्रिया सम्मिलित है। उन्होंने यह भी कहा कि जो शिक्षाविद् और शोधकर्ता पारंपरिक ज्ञान को सत्यापित वैज्ञानिक आंकड़ों के साथ जोड़ने में सक्षम होते हैं, वे विज्ञान का प्रभावी संप्रेषण कर सकते हैं।

इसके पश्चात डॉ. परमानंद बर्मन, वरिष्ठ वैज्ञानिक, सीएसआईआर – एनआईएससीपीआर द्वारा पारंपरिक ज्ञान संप्रेषण पर एक संवादपूर्ण व्यवहारिक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। उन्होंने विज्ञान संचार के मूलभूत सिद्धांतों को स्पष्ट किया तथा इसके विभिन्न रूपों पर चर्चा की, जो व्यापक जनसमूह के लिए वैज्ञानिक अवधारणाओं को सरल रूप में प्रस्तुत करने में सहायक होते हैं। सत्र के दौरान प्रतिभागियों को लोकप्रिय लेखन, संप्रेषण सामग्री डिज़ाइन करने तथा आकर्षक इन्फोग्राफिक्स और लघु वीडियो तैयार करने के संबंध में व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यशाला के दौरान सीएसआईआर – एनआईएससीपीआर की टीम द्वारा प्रदर्शित एक आकर्षक प्रदर्शनी के माध्यम से स्वास्तिक को भी प्रस्तुत किया गया। कार्यशाला का समापन प्रतिभागियों से प्राप्त एक संवादपूर्ण फीडबैक के साथ हुआ।

शिवराज सिंह चौहान: सेवा के संदेश के साथ समानांतर सक्रियता की राजनीति

(पवन वर्मा–विनायक फीचर्स)

मध्यप्रदेश की राजनीति में शिवराज सिंह चौहान लंबे समय तक प्रभावशाली और निर्णायक भूमिका निभाने वाले नेता रहे हैं। चार बार मुख्यमंत्री रहने के बाद अब वे केंद्र सरकार में कृषि मंत्री हैं। दिलचस्प बात यह है कि मध्यप्रदेश में आज भी उनके ही दल की सरकार है और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रशासनिक व्यवस्था चल रही है। मध्यप्रदेश में सत्ता के औपचारिक ढॉचे से अलग रहने के बावजूद शिवराज सिंह चौहान की सक्रियता प्रदेश की राजनीति में लगातार दिखाई देती है। यही सक्रियता अब एक नई राजनीतिक चर्चा को जन्म दे रही है,कि क्या वे सरकार से बाहर रहकर भी समानांतर राजनीतिक उपस्थिति बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं?

सवाल इसलिए भी उठता है क्योंकि प्रशासनिक जिम्मेदारियॉं अब मोहन यादव सरकार के पास हैं, लेकिन शिवराज सिंह चौहान अपने लोकसभा क्षेत्र विदिशा–रायसेन में लगातार कार्यक्रमों, अभियानों और जनसंपर्क के माध्यम से सक्रिय दिखाई देते हैं। राजनीति में सक्रिय रहना किसी भी नेता के लिए स्वाभाविक है, लेकिन जब यह सक्रियता सत्ता के समानांतर दिखने लगे तो उसके राजनीतिक अर्थ भी निकाले जाने लगते हैं।

राजनीति का स्वभाव यही है कि जब कोई नेता सत्ता में होता है तो वही केंद्र में रहता है। सत्ता से दूर होने पर उसका प्रभाव धीरे–धीरे कम होने लगता है। ऐसे में कई नेता सार्वजनिक जीवन में अपनी सक्रियता बनाए रखने के लिए नए रास्ते तलाशते हैं। शिवराज सिंह चौहान के मामले में भी कुछ ऐसा ही परिदृश्य दिखाई देता है। मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद भी वे लगातार स्थानीय जनसंपर्क में सक्रिय हैं। उनके कार्यक्रमों की आवृत्ति और जनसंवाद की शैली को देखकर कई राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि यह केवल सामाजिक सक्रियता नहीं बल्कि राजनीतिक उपस्थिति बनाए रखने की रणनीति भी हो सकती है।

सेवा का संदेश और राजनीति की वास्तविकता

अपने जन्मदिन 5 मार्च के अवसर पर शिवराज सिंह चौहान ने सेवा, प्रेम और मानवता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि हर जन्मदिन हमें यह याद दिलाता है कि जीवन का एक वर्ष कम हो गया है और इसलिए शेष जीवन समाज की सेवा में लगाना चाहिए। उन्होंने भारतीय दर्शन के सूत्र "आत्मवत् सर्वभूतेषु", "वसुधैव कुटुम्बकम्" और "सियाराममय सब जग जानी" का उल्लेख करते हुए समाज में प्रेम और सद्भाव का संदेश दिया।

यह संदेश निश्चित रूप से सकारात्मक है, लेकिन राजनीति में संदेश और वास्तविकता के बीच अंतर अक्सर दिखाई देता है। राजनीति में हमेशा ही एक अभियान के अनेक उद्देश्य जोड़ कर देखे जाते हैं। राजनीतिक हलकों में यह धारणा इसलिए भी बनती है कि जब कोई पूर्व मुख्यमंत्री इस तरह निरंतर सक्रिय रहता है तो स्वाभाविक रूप से यह प्रश्न उठता है कि क्या यह केवल सामाजिक पहल है या प्रदेश की राजनीति में प्रभाव बनाए रखने की एक सोची–समझी रणनीति। कई राजनीतिक जानकार इसे भविष्य की संभावनाओं से जोड़कर भी देखते हैं।

अभियानों के जरिए जनसंपर्क

मुख्यमंत्री रहते हुए शिवराज सिंह चौहान ने पर्यावरण संरक्षण के लिए पेड़ लगाने का अभियान शुरू किया था। उन्होंने स्वयं प्रतिदिन एक पौधा लगाने का संकल्प लिया और लोगों से भी ऐसा करने की अपील की। अपने जन्मदिन पर उन्होंने यह भी कहा कि वे फूल–मालाओं से स्वागत नहीं करवाएंगे, बल्कि यदि कोई व्यक्ति एक पौधा लगाए तो वही उनका स्वागत होगा। यह अलग बात है कि मुख्यमंत्री रहते हुए उनके स्वागत में फूल–मालाओं की परंपरा कभी पूरी तरह थमी नहीं।

पर्यावरण संरक्षण निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण विषय है और इस तरह की पहल समाज में सकारात्मक संदेश देती है, लेकिन राजनीति में ऐसे अभियानों को केवल सामाजिक दृष्टि से नहीं देखा जाता, बल्कि उन्हें जनसंपर्क का एक प्रभावी माध्यम के रूप में भी जाना जाता है।

इसी क्रम में शिवराज सिंह चौहान ने अपने लोकसभा क्षेत्र में "मामा चलित अस्पताल" शुरू करने की घोषणा की है, जिसे सांसद निधि से संचालित किया जाएगा। यह चलित अस्पताल गांव–गांव जाकर स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने का प्रयास करेगा। लेकिन यहाँ भी एक सवाल उठता है। शिवराज सिंह चौहान 1991 से 2005 तक विदिशा से सांसद रहे, उसके बाद लगभग सोलह वर्षों तक प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे। इतने लंबे राजनीतिक अनुभव और प्रभाव के बावजूद भी उनके अपने क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाएँ अब भी गांव–गांव तक क्यों नहीं पहुँच सकी हैं और इसके लिए अब सांसद निधि से चलित अस्पताल की व्यवस्था क्यों करनी पड़ रही है?

इसी तरह उन्होंने "मामा कोचिंग क्लासेस" के माध्यम से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को निशुल्क मार्गदर्शन देने का संकल्प भी लिया है। मेधावी विद्यार्थियों को प्रतिभा सम्मान और पुरस्कार देने की घोषणा भी की गई है। इन पहलों का सामाजिक महत्व जरूर है, लेकिन इनके माध्यम से जनसंपर्क का विस्तार भी स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

बदलता राजनीतिक परिदृश्य

67 वर्ष की उम्र तक शिवराज सिंह चौहान ने राजनीति के लगभग सभी दौर देख लिए हैं। उन्होंने प्रदेश में सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहते हुए सत्ता संचालन का एक रिकॉर्ड बनाया। उस समय उनके आसपास समर्थकों और कार्यकर्ताओं का बड़ा जमावड़ा रहता था लेकिन केंद्रीय मंत्री बनने के बाद यह जमावड़ा स्वाभाविक रूप से कुछ कम हुआ है।

उनका लोकसभा क्षेत्र विदिशा–रायसेन लंबे समय से भाजपा का मजबूत गढ़ माना जाता है। इसी क्षेत्र से अटल बिहारी वाजपेयी और सुषमा स्वराज ने चुनाव लड़ा और बेहद आसानी से जीत हासिल की थी। इसलिए यह क्षेत्र भाजपा के लिए कभी बड़ी चुनौती नहीं रहा और शिवराज सिंह चौहान के लिए भी यह राजनीतिक रूप से सुरक्षित क्षेत्र माना जाता है।

जन्मदिन के अवसर पर उनके संदेश में सेवा, प्रेम और पर्यावरण संरक्षण जैसे सकारात्मक तत्व स्पष्ट दिखाई देते हैं। लेकिन इसके साथ ही यह सवाल भी बना हुआ है कि उनकी लगातार सक्रियता का वास्तविक उद्देश्य क्या है? क्या यह केवल सामाजिक पहल है या फिर प्रदेश की राजनीति में प्रभाव बनाए रखने की रणनीति?

शायद इसका स्पष्ट उत्तर समय के साथ ही सामने आएगा। फिलहाल इतना जरूर कहा जा सकता है कि शिवराज सिंह चौहान की यह सक्रियता मध्यप्रदेश की राजनीति में एक नई चर्चा को जन्म दे रही है।

ट्रंप की सबसे बड़ा हमला करने की धमकी, पुतिन ने अचानक ईरान को मिलाया फोन, सबसे बड़ी मदद देने का किया ऐलान

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्पति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी देते हुए कहा कि आज ईरान पर सबसे बड़ा हमला होगा और ऐसे इलाकों व समूहों को भी निशाना बनाया जा सकता है जिन्हें पहले निशाना नहीं बनाया गया था। उन्होंने कहा कि पहले ईरान को दूसरे मुल्कों को दबाने को कोशिश करता था, लेकिन अब वो खुद एक हारा हुआ देश बन चुका है और आने वाले कई दशकों तक ऐसा ही रहेगा, जब तक कि वह पूरी तरह झुक न जाए। वहीं इससे पहले एक बड़ा घटनाक्रम देखने को मिला। अमेरिक के कट्टर दुश्मन रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईरानी राष्ट्रपति से फोन पर बात की है। इजराइयली हमले के बीच रूस के राष्ट्रपति व्लादमीर पुतिन ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद प्रदेशयान से फोन पर बातचीत की है। इस बातचीत में पुतिन ने साफ कहा है कि हालात को और बिगड़ने से रोकने के लिए तुरंत लड़ाई रोकना बेहद जरूरी है।

क्रेमलिन की तरफ से जारी बयान के मुताबिक पुतिन ने एक बार फिर ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनई और उनके परिवार के सदस्यों की मौत पर गहरा दुख जताया। उन्होंने इस घटना को बेहद निंदनीय बताया और कहा कि यह इंसानी नैतिकता और अंतरराष्ट्रीय कानून दोनों के खिलाफ है। पुतिन ने कहा कि रूस का रुख शुरू से ही साफ रहा है। ईरान और पूरे मध्य पूर्व से जुड़े मुद्दों का हल ताकत के इस्तेमाल से नहीं बल्कि बातचीत और कूटनीति के रास्ते से निकलना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मौजूदा हालात में तुरंत संघर्ष विराम होना चाहिए ताकि हालात और ज्यादा ना बिगड़े।

क्रेमलिन ने यह भी बताया कि पुतिन लगातार खाड़ी सहयोग परिषद यानी जेसीसी देशों के नेताओं के साथ संपर्क में बने हुए हैं और क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए बातचीत जारी है। उधर ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने रूस के समर्थन के लिए पुतिन का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि रूस ने जिस तरह ईरान की संप्रभुता और आजादी की रक्षा के लिए ईरानी जनता के साथ एकजुटता दिखाई है, वह बेहद अहम। पेजेश्कियान ने पुतिन को मौजूदा हालात की पूरी जानकारी दी और बताया कि क्षेत्र में किस तरह तेजी से तनाव बढ़ रहा है। इस पूरे मामले में रूस ने अमेरिका और इजराइल की सैन्य कारवाई की भी कड़ी आलोचना की है। पुतिन ने खामिनई और उनके परिवार की हत्या को निर्मम और सोची समझी हत्या बताया और कहा कि इस तरह की कारवाई अंतरराष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन। इसी बीच रूस के विदेश मंत्री सरगई लावो ने भी ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची से फोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया के ताजा हालात पर चर्चा की। रूस का कहना है कि अमेरिका और इजराइल के हमले अंतरराष्ट्रीय कानून के बुनियादी सिद्धांतों को कमजोर करते हैं।

लावरोव ने ईरान को भरोसा दिलाया कि रूस तनाव कम करने और हालात को काबू में लाने के पक्ष में है। उन्होंने यह कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो मॉस्को इस विवाद में मध्यस्थ की भूमिका निभाने के लिए तैयार है ताकि हालात और ज्यादा खराब होने से रोके जा सके। कुल मिलाकर पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच रूस की कोशिश यही है कि बातचीत के जरिए हालात को शांत किया जाए।

Created by Universal Document Converter

आईएनएस तरंगिणी श्रीलंका नौसेना के सी राइडर्स के साथ समुद्री प्रशिक्षण के लिए कोलंबो पहुंची

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना का पाल प्रशिक्षण जहाज आईएनएस तरंगिणी 06 मार्च 2026 को श्रीलंका नौसेना के सी राइडर्स के समुद्री प्रशिक्षण को पूरा करने के बाद कोलंबो पहुंचा। श्रीलंका नौसेना एवं समुद्री अकादमी के तीन अधिकारियों और 26 प्रशिक्षुओं ने त्रिंकोमाली में जहाज पर समुद्री प्रशिक्षण तैनाती के लिए सवार हुए थे।समुद्री सैर के दौरान, प्रशिक्षुओं ने गहन पाल प्रशिक्षण प्राप्त किया और पाल लगाने तथा पाल के नीचे ड्यूटी रखने की बारीकियों से परिचित हुए। इस यात्रा ने प्रशिक्षुओं को जहाज के चालक दल के मार्गदर्शन में जहाज को चलाने और संभालने के व्यापक अवसर प्रदान किए। प्रशिक्षण तैनाती ने दोनों नौसेनाओं के बीच पारस्परिक सीखने और

पारस्परिक संचालनशीलता को और मजबूत किया, जिससे समुद्री सहयोग और प्रशिक्षण संबंधों को बढ़ावा मिला।

कोलंबो पहुंचने पर, जहाज का स्वागत श्रीलंका नौसेना के प्रतिनिधियों और श्रीलंका में भारत के उच्चायोग के अधिकारियों ने किया। आईएनएस तरंगिणी के कमांडिंग अधिकारी ने पश्चिमी नौसेना क्षेत्र के कमांडर रियर एडमिरल जगथ कुमारा से भेंट की और नौसेना सहयोग को बढ़ाने तथा सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के मार्गों पर चर्चा की। तीन दिवसीय बंदरगाह प्रवास के दौरान, जहाज श्रीलंका नौसेना के साथ विभिन्न द्विपक्षीय प्रशिक्षण गतिविधियां आयोजित करेगा। व्यावसायिक आदान– प्रदान के अलावा, दोनों नौसेनाओं के चालक दल मैत्रीपूर्ण खेल प्रतियोगिताओं, संयुक्त योग सत्रों और जागरूकता गतिविधियों में भाग लेंगे।

इससे पहले, त्रिंकोमाली में, श्रीलंका नौसेना एवं समुद्री अकादमी के कमांडेंट कमोडोर दिनेश बंडारा ने जहाज का दौरा किया और चालक दल तथा सवार श्रीलंका नौसेना सी राइडर्स के साथ बातचीत की। यह प्रशिक्षण तैनाती भारत–श्रीलंका समुद्री संबंधों के बढ़ते अध्याय के रूप में कार्य करती है।

शिवसेना का शंकराचार्य की धर्मयुद्ध यात्रा को पूर्ण समर्थन गौ माता को 'राष्ट्रीय माता' घोषित करों

जम्मू: शिवसेना (उद्धव बाला साहेब ठाकरे) की जम्मू–कश्मीर इकाई ने ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का गाय को "राष्ट्र माता" का दर्जा व गोवंश की रक्षा के लिए कड़े कानून की मांग को लेकर घोषित 'धर्मयुद्ध यात्रा', 'लखनऊ चलो' को अपना पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की है।

पार्टी के प्रदेश मध्यवर्ती कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति में जम्मू–कश्मीर इकाई के प्रदेश प्रमुख मनीष साहनी ने कहा कि गौ माता सनातन संस्कृति, आस्था और भारतीय जीवन मूल्यों की प्रतीक है, इसलिए उन्हें 'राष्ट्रीय माता' का दर्जा देने की मांग पूरी तरह न्यायोचित और समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यह केवल धार्मिक भावनाओं का विषय नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण से जुड़ा राष्ट्रीय मुद्दा है।

साहनी ने स्पष्ट किया कि गौ माता के सम्मान और संरक्षण के लिए शुरू किए गए इस आंदोलन में पार्टी हाईकमान के निर्देशानुसार शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की जम्मू–कश्मीर इकाई पूरी मजबूती के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि लखनऊ में होने वाले आंदोलन में जम्मू–कश्मीर से भी शिवसैनिकों का प्रतिनिधिमंडल भाग लेगा और इस मांग को देशभर में बुलंद करेगा।

साहनी ने कहा कि यदि केंद्र और राज्य की सरकारें वास्तव में सनातन परंपराओं, गौ रक्षा और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो उन्हें बिना किसी विलंब के गौ माता को 'राष्ट्रीय माता' का दर्जा देने का ऐतिहासिक निर्णय लेना चाहिए।

8वें जन औषधि दिवस पर जन औषधि केंद्र के मालिकों को सम्मानित किया गया

लाभार्थियों ने सस्ती दवाओं के महत्व के बारे में बताया

नई दिल्ली। 8वें जन औषधि दिवस पर नई दिल्ली में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा, रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल और फार्मास्यूटिकल्स विभाग के सचिव श्री मनोज जोशी शामिल हुए।

केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री श्री जे.पी नड्डा और रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल झारखंड के श्री अरुण कुमार को पुरस्कार प्रदान करते हुए।

इस कार्यक्रम के दौरान, दिल्ली समेत विभिन्न राज्यों के 13 शीर्ष प्रदर्शन करने वाले जन औषधि केंद्र के मालिकों को योजना में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया, जिसमें दिल्ली के तीन जन औषधि केंद्र के मालिक भी शामिल हैं। इन पुरस्कार विजेताओं ने जन औषधि केंद्र को चलाने के अपने अनुभव और यात्रा के बारे में भी बताया। योजना के लाभार्थियों ने गणमान्य व्यक्तियों से भी बातचीत की।

अनंतनाग (जम्मू–कश्मीर) की प्रो. डॉ रुक्साना नजीब ने जन औषधि केंद्र खोलने और लोगों को सस्ती दवाओं के बारे में बताने के लिए जेनेरिक दवा जागरूकता शिविर और आउटरीच प्रोग्राम आयोजित करने के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने दवाओं की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने को लेकर किए गए प्रयासों के बारे में भी बताया। पश्चिम बंगाल के कोलकाता से श्री ज्योति बनर्जी ने जन औषधि पहल के उद्देश्यों से प्रेरित होने के बारे में बात की और आम लोगों के लिए दवाओं को सस्ती बनाने में योजना के प्रभाव की सराहना की।

केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री श्री जे पी नड्डा और रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल चेन्नई, तमिलनाडु की डॉ अनीता रमेश को पुरस्कार प्रदान करते हुए।

चेन्नई (तमिलनाडु) की डॉ अनीता रमेश ने बताया कि उन्होंने कोविड–19 महामारी के दौरान अपना जन औषधि केंद्र खोला। उन्होंने इस पहल की प्रशंसा की जिससे लोगों तक सस्ती दवाइयां पहुंची और बताया कि घरों व रोगियों की सहायता के लिए होम डिलीवरी सर्विस भी शुरू की गई है।

दिल्ली की सुश्री मीना ने कहा कि उन्होंने कोविड–19 के समय में अपना केंद्र शुरू किया और पिछले पांच वर्षों से इसे सफलतापूर्वक चला रही हैं। उन्होंने संतोष व्यक्त किया कि लाभार्थियों के आशीर्वाद और

प्रशंसा से उन्हें सेवा जारी रखने के लिए काफी प्रेरणा मिलती है।

जन औषधि केंद्र मालिकों ने बताया कि यह योजना न केवल सस्ती दवाएं प्रदान करके चिकित्सा खर्चों पर काफी बचत करती है, बल्कि रोजगार के अवसर भी सृजित करती है। सार्वजनिक स्वास्थ्य में योगदान करने में मदद मिलती है। उन्होंने प्रोडक्ट बास्केट को और बढ़ाने, जन औषधि केंद्र के मालिकों की समस्याओं को दूर करने के लिए एक शिकायत पोर्टल बनाने का सुझाव दिया।

केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री श्री जे पी नड्डा और रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल आंध्र प्रदेश के गुंटूर के एचएलएल लाइफ केयर लिमिटेड को पुरस्कार प्रदान करते हुए।

इस कार्यक्रम के दौरान कई अन्य जन औषधि केंद्र के मालिकों को भी सम्मानित किया गया, जिनमें श्री अरुण कुमार, श्री रंजन कुमार पटना (बिहार), श्री सुधन्या गुप्ता जम्मू (जम्मू–कश्मीर), श्री राज कुमार वर्मा (उत्तर प्रदेश), श्री सिनम प्रीतम सिंह (मणिपुर), एम्स ऋषिकेश (उत्तराखंड), एचएलएल लाइफ केयर लिमिटेड, श्री राम इकबाल सिंह (साउथ दिल्ली), और श्री देवाशु मोंगा (सेंट्रल दिल्ली) शामिल हैं।

केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री श्री जे पी नड्डा और रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल एम्स ऋषिकेश, उत्तराखंड की निदेशक डॉ मीनू सिंह को पुरस्कार प्रदान करते हुए।

कार्यक्रम के दौरान श्री नड्डा ने योजना के लाभार्थियों से भी बातचीत की। लाभार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए और बताया कि कैसे जन औषधि दवाओं ने उन्हें किफायती दरों पर गुणवत्तापूर्ण दवाएं प्राप्त करने में मदद की है, जिससे देश भर में कई परिवारों को राहत मिली है।

इस कार्यक्रम ने किफायती स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच का विस्तार करने और देश भर में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि योजना की पहुंच को बेहतर बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

BIKES FOR RENT
PACKAGE TOURS
WHITE WATER RAFTING
PRE WEDDING TOURS
GROUP TOURS
OXYGEN CYLINDER FOR RENT
DAILY SHARING CAB FOR NUBRA VALLEY & PANGONG LAKE
SHARING CAB FOR SRINAGAR & MANALI
MOTORBIKE RENTAL COMPANY
LADAKH YATRA
Tour and Travels
RIDE HARD
+91 9596660880 | +91 9419842881

Printer, Publisher, Owner, Editor by: Sanktha Prasad Singh Published from: GH Road Skara, Near Ladakh Public School, Leh (Ladakh) - 194104, Published from: Ladakh Imperial Printing press, Gh Skara, Near Ladakh Public School, Leh Ladakh, 194104, Mob.: Mob.: 9818069272, 8287390112, Email: ladakhtoday@gmail.com
**All disputes are subject to the exclusive jurisdiction of competent courts and forums in Leh - city.

Created by Universal Document Converter